RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर गुरुवार 02 नवंबर , 2023 वर्षः-11 अंक-186 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर आचार संहिता का साया

- रंगारंग कार्यक्रम के बजाय सादगी के साथ हुआ कार्यक्रम

भोपाल। प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू होने के चलते एक नवम्बर को मनाया जाने वाला मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस इस साल सादगी के साथ मनाया गया। इसके पहले हर साल राजधानी के लाल परेड मैदान में राज्य स्तरीय कार्यक्रम होता रहा है जिसमें गायकों और कलाकारों को बुलाकर प्रदेश का गौरव गान किया जाता रहा है। राज्यपाल, मुख्यमंत्री समेत अधिकारियों की टीम इस कार्यक्रम में मौजूद रहते आए हैं लेकिन इस साल राजनेताओं राजधानी के सरकार वल्लभ भाई पटेल उद्यान में हुए कार्यक्रम में अनुपस्थिति रही।

मंत्रालय के आला अफसरों की मौजूदगी में यह कार्यक्रम सामान्य तरीके से मनाया गया। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर एक नवम्बर को मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस की मौजूदगी में देश भक्ति के गीतों का आयोजन राजधानी के वल्लभ भाई पटेल उद्यान में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य सचिव बैंस के अलावा अपर मुख्य सचिव एसएन मिश्रा, मलय श्रीवास्तव, जेएन कंसोटिया, मोहम्मद सुलेमान, राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला, राघवेंद्र सिंह समेत मंत्रालय के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

अखिलेश यादव ने सेट कर दी कांग्रेस-आरएलडी की लिमिट

बोले-गठबंधन हुआ तो 65 नहीं तो 80 सीटों पर लड़ेगी सपा

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से पहले एमपी विधानसभा चुनाव में सीटों को लेकर सपा और कांग्रेस में तकरार इंडिया गठबंधन में टूट की कगार तक पहुंच चुकी है। अखिलेश ने कांग्रेस को चेताया भी था कि जिस तरह का व्यवहार अब हो रहा है

उसी तरह का लोकसभा चुनाव में होगा। उनका इशारा यूपी में सीटों के बंटवारे को लेकर था। अब बुधवार को अखिलेश यादव ने बड़ा बयान दिया है। अखिलेश यादव ने कहा कि गठबंधन हुआ तो 65 नहीं तो सभी 80 सीटों पर सपा लड़ेगी। इस बयान से अखिलेश ने साफ कर दिया है कि जयंत की रालोद और कांग्रेस को सपा 15 से ज्यादा सीटें नहीं देने जा रही है। लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर लखऊ में समाजवादी पार्टी ने बुधवार को राज्य कार्यकारिणी की बैठक की। अखिलेश ने इस दौरान बूथ प्रबंधन पर जोर दिया। इसके साथ ही गुटबाजी खत्म करने को कहा गया। राज्य कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को विधानसभा वार प्रभारी बनाया गया। अब राज्य कार्यकारिणी के पदाधिकारी विधानसभा में पार्टी को मजबूत करेंगे। बैठक में पीडीए का मुद्दा भी उठा। पीडीए में ए का मतलब अगड़ा (सेक्युलर), ए का मतलब आदिवासी और ए का मतलब आधी आबादी बताया गया। समाजवादी पार्टी ने पदाधिकारियों को वोटर लिस्ट को दुरुस्त करने के भी निर्देश दिए। कटे या काटे गए नाम को जुड़वाने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रो. रामगोपाल और शिवपाल सिंह यादव भी मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के 17 ऐलान इनमें 4 मुफ्त की योजनाएं

- बीजेपी का भी 75 हजार में मकान का वादा, घोषणापत्र का इंतजार ; लोग बोले- रोजगार चाहिए

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशियों की तस्वीरें लगभग साफ हो चुकी है। अब दोनों पार्टियों के घोषणापत्र का इंतजार है। कांग्रेस अभी तक किसानों की कर्ज माफी सहित कुल 17 घोषणाएं कर चुकी है। शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली मुफ्त देने की बात कही गई है। भाजपा ने भी गरीबों को 75 हजार रुपए में आवास और पीएससी घोटाले की जांच का वादा किया है। दूसरी ओर लोगों का कहना है कि मुफ्त की

योजनाएं बंद होनी चाहिए। 2018 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी के लिए उनका घोषणा पत्र ही गेम चेंजर साबित हुआ था। ऐसे में इस बार दोनों ही पार्टियों का जोर इस पर है। घोषणाओं को लेकर सीएम भूपेश बघेल ने भाजपा पर निशाना भी साधा था। उन्होंने कहा था कि, बीजेपी के पास कोई मुद्दा नहीं है। इन्होंने अब तक कोई घोषणा नहीं की। वहीं भाजपा ने कर्ज माफी की घोषणा पर भूपेश को घोषणावीर बताया। कांग्रेस पार्टी का घोषणा पत्र नवंबर के पहले सप्ताह में आएगा। कांग्रेस पार्टी ने अब तक अपनी प्रमुख घोषणाएं कर दी है। अब संभावना है कि कांग्रेस पार्टी 3 या चार नवंबर को अपना वचनपत्र जारी करेगी। हालांकि कांग्रेस पार्टी ने अपनी लगभग सभी प्रमुख घोषणाएं कर दी है। संभावना है कि छग में बीजेपी 2 नवंबर को अपना घोषणा पत्र जारी करेगी। इसमें किसान, महिला और युवाओं सभी को साधने के लिए कई वादे किए जा सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी का घोषणा पत्र तैयार करने की जिम्मेदारी सांसद विजय बघेल को दी गई है।

मराठा आरक्षण के पक्ष में महाराष्ट्र की सभी पार्टियां

सीएम शिंदे बोले,आंदोलन खत्म करें मनोज जरांगे पाटिल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सभी दलों ने मराठा समुदाय को आरक्षण देने पर सहमति व्यक्त की है। मुंबई में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में हुई बैठक में सभी दलों ने सहमति व्यक्त की। बैठक के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया के लिए सरकार को समय दें। उन्होंने कहा कि उनकी अपील है कि मराठा प्रदर्शनकारी अपना आंदोलन खत्म कर दें। महाराष्ट्र के मराठा आरक्षण के मुद्दे पर सीएम ने सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। सुबह 10 बजे शुरू हुई बैठक में शरद पवार समेत 32 पार्टियों के नेता शामिल हुए। करीब 3 घंटे की बैठक के बाद दोपहर डेढ़ बजे शिंदे सहयाद्री भवन से बाहर आए और मीडिया से करीब दो मिनट बात की। इसमें उन्होंने आंदोलन खत्म करने को कहा। सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा सर्वदलीय बैठक में सभी दलों के नेता इस बात पर सहमत हुए कि मराठा समुदाय को आरक्षण मिलना चाहिए। यह निर्णय लिया गया कि आरक्षण कानून के दायरे में और अन्य समुदाय के साथ अन्याय किए बिना होना चाहिए। सीएम ने कहा कि भूख हड़ताल पर बैठे मनोज जारांगे से भी अपील है कि वो अनशन खत्म करें। हिंसा ठीक नहीं है। राज्य में हिंसा सामने आने के बाद सीएम एकनाथ शिंदे ने सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। इससे पहले कैबिनेट की बैठक की थी और मराठा प्रदर्शकारियों को आश्वस्त किया था कि सरकार उन्हें आरक्षण देने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रही है। महाराष्ट्र में मराठा समुदाय की आबादी करीब चार करोड़ है।

सेना की गुप्त जानकारी लीक कर रहा था अधिकारी

राष्ट्रपति मुर्मू ने किया बाहर, जांच में चौंकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाले सेना के एक अधिकारी के खिलाफ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कार्रवाई की है। खबर है कि राष्ट्रपति ने मेजर को बीते महीने ही सेवा से बाहर कर दिया था। अधिकारी के खिलाफ बड़ा ऐक्शन लंबी जांच के बाद लिया गया था। कहा जा रहा है कि वह सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान में भी किसी के संपर्क में था। खबर है कि सेवाएं समाप्त होने से पहले मेजर स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड की यूनिट में काम कर रहा था। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि बीते साल ही मेजर के खिलाफ जांच के लिए सेना ने बोर्ड का गठन किया था, जिसमें कई बड़े अधिकारी शामिल थे। भारत के परमाणु शस्त्रागार का काम देखने वाले कमांडर इन चीफ बोर्ड के प्रमुख थे। जांच के दौरान बोर्ड के अधिकारियों को मेजर की सभी डिजिटल डिवाइसेज जब्त करने के अधिकार भी दिए गए थे। गोपनीय जानकारी साझा करने या लीक करने, सोशल मीडिया नियमों का उल्लंघन करने समेत अन्य सुरक्षा संबंधी जांच के आदेश भी दिए गए थे। अधिकारियों ने जानकारी दी कि मेजर के पास कई गोपनीय दस्तावेज मिले हैं, जो उसने अपनी डिवाइस में रखे थे। यह सशस्त्र बलों के नियमों का उल्लंघन है। साथ ही वह पाकिस्तानी खुफिया व्यवस्था के किसी व्यक्ति के साथ भी सोशल मीडिया के जरिए संपर्क में था।

यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क में शामिल हुआ ग्वालियर

- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सिटी ऑफ म्यूजिक के रूप में मिली पहचान

भोपाल। मध्य प्रदेश अपने सांस्कृतिक ऐतिहासिक धरोहरों के लिए विश्व प्रसिद्ध है। अब प्रदेश के ग्वालियर शहर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सिटी ऑफ म्यूजिक के रुप मे एक अलग पहचान मिली है। ग्वालियर को यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क में शामिल किया गया है। ग्वालियर शहर को संगीत के क्षेत्र में सांस्कृतिक और रचनात्मक उपयोग करने, नवीन प्रथाओं को प्रदर्शित करने की उनकी मजबूत प्रतिबद्धता के लिए चुना गया है। उल्लेखनीय है कि विश्व शहर दिवस पर यूनेस्को द्वारा 55 शहरों को यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क में शामिल किया गया है। नए नामित रचनात्मक शहरों को ब्रिंगिंग यूथ टू दा टेबल फॉर द नेक्स्ट डिकेड विषय के लिए पुर्तगाल के ब्रागा में 1-5 जुलाई 2024 को होने वाले यू सी सी एन वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। ग्वालियर को यह उपलब्धि संगीत की विरासत के लिए मिली है। ग्वालियर के बेहट में संगीत सम्राट तानसेन का जन्म हुआ था। यहां संगीत के प्रसिद्ध घराने हैं। देश का ख्याति प्राप्त संगीत समारोह भी यहां हर साल दिसंबर में होता है। मंगलवार को यूनेस्को ने क्रिएटिव सिटीज (रचनात्मक शहरों) के नेटवर्क की सूची जारी की थी। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी है। सिटी ऑफ म्यूजिक बनने वाला ग्वालियर भारत का तीसरा शहर है। यूनेस्को ने इससे पहले 2016 में वाराणसी को यह दर्जा दिया था। 2017 में चेन्नई को चुना गया था। इस कैटेगरी में विश्व में पहला शहर स्पेन के सविल को चुना गया था।

बड़ी खुशखबरी! राजधानी में धड़ाम से गिरे प्याज के रेट

2 दिन में 30 रुपए सस्ती हुई, सरकार 25 रुपए किलो बेच रही

भोपाल। भोपाल में प्याज के रेट धड़ाम से नीचे गिर गए हैं। 2 दिन पहले तक 70 से 80 रुपए प्रतिकिलो तक बिकने वाली प्याज बुधवार को 40 से 50 रुपए किलो तक आ गई। करोंद स्थित मंडी में भी थोक रेट में गिरावट होने का असर फुटकर मंडियों में भी पड़ा। व्यापारियों का कहना है कि जिस रफ्तार से प्याज की कीमतें बढ़ी थीं, उसी तरह गिरावट भी होगी। इससे आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। इधर, नेशनल को-ऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन ऑफ इंडिया ने शहर के 10 स्थानों पर 25 रुपए प्रति किलो में प्याज बेची। प्रति व्यक्ति 2 किलो प्याज सस्ते रेट पर दी जा रही है। फिल्ड ऑफिसर मोहम्मद राशिद ने बताया कि अशोका गार्डन, बरखेड़ी समेत अलग-अलग स्थानों पर ट्रकों में भरकर प्याज बेची जा रही है।

ताकि, लोगों को महंगाई से राहत मिल सके। फुटकर बाजार में प्याज की कीमतें कम होने पर सरकारी स्तर पर प्याज बेची जाएगी। नवबहार सब्जी मंडी के फुटकर व्यापारी मो. रफीक ने बताया कि अच्छी क्वॉलिटी वाली प्याज 50 रुपए, मीडियम साइज में 40 और सबसे छोटी क्वॉलिटी का प्याज 30 रुपए किलो में बेच रहे हैं। दो दिन में रेट काफी घटे हैं। थोक में भाव कम होने से फुटकर में भी कीमतें घट गई हैं। आने वाले दिनों में कीमतें और भी कम होंगी। तलैया क्षेत्र में ठेला लगाकर प्याज बेच रहे मोहम्मद आरिफ ने बताया कि 3 दिन में 20 से 30 रुपए घटे हैं। पहले यह 80 रुपए किलो तक बिक रही थी। अभी महाराष्ट्र समेत अन्य राज्य से प्याज की आवक नहीं है। शाजापुर, शुजालपुर समेत आसपास के जिलों से ही गोल्डन किस्म का प्याज आ रहा है।

रातें होंगी गर्म, कई राज्यों में भारी बारिश भी

नवंबर महीने के लिए मौसम विभाग ने की भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि नवंबर महीने में देश के कई हिस्सों में दिन और रात के वक्त का तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है। यानी ठंडी रातें अब गर्म होने वाली हैं। आईएमडी का यह पूर्वानुमान उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर, देश के बाकी हिस्सों के लिए है। आईएमडी ने यह भी कहा कि नवंबर महीने में देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है। नवंबर महीने के लिए पूर्वानुमान जारी करते हुए, आईएमडी के महानिदेशक एम महापात्र ने कहा कि पूरे देश में नवंबर में मासिक वर्षा सामान्य श्रेणी में रहने की उम्मीद है - जिसे लंबी अवधि के औसत (एलपीए) के 77-123 फीसदी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। एलपीए एक निश्चित अंतराल के लिए किसी विशेष क्षेत्र में दर्ज की गई वर्षा का औसत है। महापात्र ने कहा, दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ क्षेत्रों, उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों, पूर्व मध्य, पूर्व और उत्तर-पूर्व भारत में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। नवंबर में देश के शेष हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर, जहां सामान्य तापमान की उम्मीद है, देश के अधिकांश हिस्सों में दिन का तापमान भी अधिक रहने का अनुमान है।

दूसरी ओर, महीने भर देश भर में रात के तापमान में वृद्धि का अनुमान है। आईएमडी प्रमुख ने कहा, उत्तरपश्चिम और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में, नवंबर में सामान्य से अधिक पश्चिमी विक्षोभ की संभावना है, जिसके परिणामस्वरूप रात में बादल छाए रहेंगे। बादल

वाली रातें गर्मी लाती हैं और परिणामस्वरूप न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक हो जाता है। सरल शब्दों में, नवंबर के महीने में ठंडी रातें कम होने वाली हैं। महापात्र ने यह भी कहा कि सितंबर और अक्टूबर के दौरान मैदानी इलाकों में तापमान भी सामान्य से अधिक था और यह जारी रहने की उम्मीद है।

पुलिस के साथ सहयोग करें तीस्ता सीतलवाड़

सुप्रीम कोर्ट की नसीहत, पति को भी दिया निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ और उनके पति जावेद आनंद को धन के कथित दुरुपयोग को लेकर उनके खिलाफ दायर मामले में गुजरात पुलिस के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने न्यायालय को बताया कि दोनों जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं, जिसके बाद न्यायमूर्ति एसके कौल की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने आदेश पारित किया। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि मामले में काफी समय बीत चुका है और कोई आरोप पत्र दायर नहीं किया गया है। अदालत ने यह भी नोट किया गया कि मामले में कुछ भी नहीं बचा है, यह देखते हुए कि उन्हें संबंधित मामलों में अदालतों द्वारा जमानत दी गई थी। सीतलवाड की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल पेश हुए। गुजरात सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू पेश हुए। इस मामले में दी गई अग्रिम जमानत को चुनौती देने वाली गुजरात सरकार की एक याचिका को निस्तारित करते हुए पीठ ने कहा, अभी तक आरोपपत्र दाखिल नहीं किया गया है। एएसजी का मानना है कि सहयोग की कमी का एक तत्व है। (जमानत के संदर्भ में) जैसा है वैसा रहने दें, प्रतिवादी आवश्यकता पड़ने पर जांच में सहयोग करेंगे।

'मेरी माटी मेरा देश' कैंपेन में बड़ी भूमिका निभा रहा रेलवे

- 45 स्पेशल कलश यात्रा ट्रेनें, वालंटियर्स के लिए रेलवे ने उठाए कई कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेरी माटी मेरा देश कैंपेन देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों और वीरांगनाओं को श्रद्धांजलि है। इस अभियान में पंचायत/गांव, ब्लॉक, शहरी स्थानीय निकाय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कई गतिविधियां और समारोह शामिल हैं। ये सब जन भागीदारी की भावना के तहत हो रहा है। इसमें सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों के प्रति हार्दिक आभार जताने के लिए स्मारक का निर्माण भी

शामिल है। इस अभियान में स्वदेशी प्रजाति के पौधे लगाना और अमृत वाटिका विकसित करना और स्वतंत्रता सेनानियों व मृत स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों के सम्मान के लिए समारोह भी शामिल हैं। मेरी माटी मेरा देश अभियान तेजी से सफलता की ओर बढ़ता दिख रहा है। इसके तहत 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 2,30,000 से अधिक शिलापट्ट निर्मित किए गए हैं। इसके समर्थन में पंच-प्रण को दर्शाने वाली लगभग 4 करोड़ सेल्फी सोशल मीडिया पर अपलोड की गई हैं। देशभर में 2 लाख से अधिक वीरों का वंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शहर में डैमेज कंट्रोल शुरू मनाने के लिए बचे 2 दिन

नॉमिनेशन वापस लेने के लिए 2 दिन मिलेंगे ; उत्तर-हुजूर में ज्यादा कलह

भोपाल। भोपाल की 7 विधानसभा सीटों के लिए आए नॉमिनेशन की जांच पूरी हो गई है। बुधवार से नामांकन फॉर्म वापस लिए जा सकेंगे। इसके चलते कांग्रेस डैमेज कंट्रोल में जुटी हुई है। भोपाल उत्तर और हुजूर में कांग्रेस की बगावत सामने आ चुकी है। दोनों ही सीटों से 4 बागी मैदान में डटे हुए हैं। गोविंदपुरा से भी कांग्रेस नेता पक्ष खामरा ने निर्दलीय के रूप में नामांकन भरा है। भोपाल में कुल 171 कैंडीडेट्स ने नामांकन भरे थे। इनमें बीजेपी, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, बसपा समेत अन्य राजनीतिक पार्टियों के साथ निर्दलीय प्रत्याशी भी शामिल हैं। इनके नामांकन की मंगलवार को जांच पूरी हो चुकी है। अब अगले दो दिन यानी बुधवार और गुरुवार को नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। मंगलवार को जांच में कुल 12 नामांकन पत्र निरस्त हुए। कांग्रेस से कई नेताओं ने भी निर्दलीय के रूप में नामांकन भरा है। उन्हें मनाने के लिए वरिष्ठ नेताओं ने एड़ी-चोंटी का जोर लगा दिया है। बागियों को मनाने के लिए मौजूदा विधायक आरिफ अकील, आरिफ मसूद समेत पूर्व जिलाध्यक्ष कैलाश मिश्रा भी लगे हैं। आरिफ अकील के भाई आमिर अकील ने निर्दलीय के रूप में उत्तर से नामांकन भरा है, जबकि इस सीट से विधायक अकील के बेटे आतिफ अकील को पार्टी ने टिकट दिया है।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

गुरुवार ● 02 नवंबर 2023, इंदौर

सामान्य प्रेक्षकों की उपस्थिति में नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा कार्य संपन्न

54 अभ्यर्थियों के नाम निर्देषन वैध पाए गए सात के हुए निरस्त

विदिशा (निप्र)। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार आज मंगलवार 31 अक्टूबर को सामान्य प्रेक्षकों की उपस्थिति में अभ्यर्थियों के प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा जांच कार्य संबंधित विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा संपादित किया गया है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विदिशा जिले की पांचों विधानसभाओं के संबंधित रिटर्निंग ऑफिसरों के द्वारा अभ्यर्थियों की उपस्थिति में नाम निर्देशन पत्रों की समीक्षा कार्य को निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन कर संपादित किया है। जिले की पांचो विधानसभाओं में कुल 61 अभ्यर्थियों के द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए गए थे जिसमें से संवीक्षा के उपरांत 54 अभ्यर्थियों के नाम निर्देशन पत्र वैध पाए गए हैं जबकि निर्धारित मापदंडों का अनुपालन न होने के फल स्वरुप 7 अभ्यर्थियों के नाम निर्देशन पत्र निरस्त हुए हैं उनमें विदिषा, बासौदा एवं सिरोंज विधानसभा सहित प्रत्येक के क्रमषः दो-दो तथा कुरवाई विधानसभा में एक अभ्यर्थी का नाम निर्देषन पत्र निरस्त हुआ है।

गौरतलब हो की विधानसभा निर्वाचन की अभ्यार्थिता से नाम वापसी की अंतिम तिथि दो नवंबर की दोपहर तीन बजे तक का समय नियत किया गया है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 144 विदिशा के रिटर्निंग ऑफिसर श्री क्षितिज शर्मा ने नाम निर्देषन पत्रों की संवीक्षा कार्यवाही पूर्ण होने के उपरांत बताया कि विदिषा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 144 के नाम निर्देषन पत्रों की संवीक्षा के उपरांत 13 अभ्यर्थियों के नाम निर्देषन पत्र वैध पाए गए हैं उनमें बहुजन समाज पार्टी दल के श्री द्वारका प्रसाद धाकड़, भारतीय जनता पार्टी के श्री मुकेश टण्डन, इंडियन नेशनल कांग्रेस दल के श्री शषांक भार्गव, राष्ट्रीय प्रतिभा पार्टी के श्री संजय प्रभाकर शामिल हैं इसके अलावा निर्दलीय अभ्यर्थी जिनके नाम निर्देषन वैध पाए गए हैं उनमें कंछेदीलाल, दिलीप कुषवाह, प्रकाष लोधी, प्रियंका सिसौदिया, मौकमसिंह पंथी, रामदयाल कौरी, विवके कुमार, सत्येन्द्रसिंह सिसौदिया और संजय सैनी शामिल हैं। जिन दो अभ्यर्थियों के नाम निर्देषन पत्र निर्धारित मापदण्डों के अनुपालन पूर्ण ना होने के कारण निरस्त हुए हैं उनमें अभ्यर्थी मनोज पाण्डे और मनोज कुमार श्रीवास्तव इन दोनों के द्वारा संबंधित राजनीतिक दल के द्वारा जारी होने वाले एबी फार्म प्रस्तुत नहीं करने पर निरस्त हुए हैं।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 145 बासौदा के रिटर्निंग ऑफिसर श्री विजय राय ने नाम निर्देषन पत्रों की संवीक्षा के उपरांत बताया कि आठ अभ्यर्थियों के नाम निर्देषन पत्र वैध पाए गए हैं जबकि दो अभ्यर्थियों के नाम निर्देषन पत्र निरस्त हुए हैं। बासौदा विधानसभा क्षेत्र के लिए जिन अभ्यर्थियों के नाम निर्देषन पत्र वैध पाए गए हैं। उनमें राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के अभ्यर्थी इंडियन नेषनल कांग्रेस दल के श्री निषंक जैन, भारतीय जनता पार्टी दल के श्री हरिसिंह रघुवंषी, बहुजन समाज पार्टी की अभ्यर्थी रूकसाद बी शामिल हैं जबकि पंजीकृत राजनीतिक दलों के सदस्य तदानुसार वास्तविक भारत पार्टी दल के श्री अषोक लालाराम कुषवाह जन अधिकार पाटी के मोकमसिंह कुषवाह के अलावा तीन निर्दलीय अभ्यर्थी किरणदेवी अषोक कुषवाह, चुन्नीलाल विजय कुषवाह और निर्वेष मीना शामिल हैं।

मानव श्रृंखला बनाकर मतदाता जागरूकता की दिलाई गई शपथ

सीहोर (निप्र)। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जिलेभर में स्वीप गतिविधियां आयोजित की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर जिलेभर में स्वीप गतिविधियों के तहत विभिन्न मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है और मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत शासकीय मॉडल हायर सेकेण्डरी स्कूल इछावर में मानव श्रृंखला बनाकर छात्र-छात्राओं को मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान अनेक छात्र-छात्राओं एवं स्कूल स्टॉफ ने मतदाता जागरूकता की शपथ ली।

संक्षिप्त समाचार

दो प्रकरणो में जिला बदर के आदेश जारी

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव ने पुलिस अधीक्षक के पालन प्रतिवेदन पर दो प्रकरणों में जिला बदर के आदेश जारी कर दिए है। जारी आदेश में उल्लेख है कि थाना लटेरी अंतर्गत विभिन्न अपराधों में लिप्त अनावेदक इलियास उर्फ बल्लू पिता हमीद खां उम्र 27 साल निवासी ग्राम मलनिया थाना लटेरी जिला विदिशा को आदेष प्राप्ति से छह माह एवं अनावेदक तुलसीराम कोरी पुत्र श्यामलाल कोरी उम्र 35 साल निवासी ब्योंची थाना करारिया चौराह को तीन माह की कालावधि के लिए मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जिला बदर की कार्यवाही की गई है। उक्त अवधि में विदिशा जिला एवं सीमावर्ती जिला रायसेन, भोपाल, गुना, अशोकनगर, सागर, राजगढ़ की राजस्व सीमा से उसे निष्कासित किया गया है।

उम्मीदवारों को 30 दिन में देना होगा चुनाव खर्च का विवरण

विदिशा (निप्र)। विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव खर्च की सीमा 40 लाख रूपये निर्धारित की गई है। प्रत्येक उम्मीदवार को नामांकन पत्र भरने के पूर्व एक बैंक खाता खोलकर उनकी जानकारी नामांकन पत्र के साथ उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। इसी बैंक खाते के माध्यम से उम्मीदवार चुनाव संबंधी सभी तरह के व्यय कर सकेंगे। उम्मीदवारों को चुनाव परिणामों की घोषणा के 30 दिन के भीतर चुनाव खर्च का पूरा विवरण निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। निर्वाचन आयोग द्वारा उम्मीदवारों के चुनाव खर्च की विभिन्न माध्यमों से निगरानी की जा रही है। उम्मीदवार निर्धारित प्रपत्र में व्यय लेखा दल को निर्धारित समय सीमा में चुनाव खर्च का पूरा विवरण अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायें।

अंतिम दिन सोमवार को हरदा क्षेत्र में कुल 11 नाम निर्देशन पत्र जमा हुए

हरदा (निप्र)। विधानसभा निर्वाचन के लिये आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम अनुसार नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि सोमवार को थी। अंतिम दिन रिटर्निंग अधिकारी श्री आशीष खरे के समक्ष कुल 11 अभ्यर्थियों ने अपने नाम निर्देशन पत्र जमा किये। इनमें श्री प्रहलाद बहुजन समाज पार्टी से, श्री राजेश निर्दलीय, श्री कमल पटेल भारतीय जनता पार्टी से, श्री रोहित सोदे आम आदमी पार्टी से, आनन्द जाट नेशनल वर्ल्ड लीडर पार्टी से, योगिता निर्दलीय, डॉ रामकिशोर दोगने इंडियन नेशनल कांग्रेस से, लोकेश कुमार तिवारी निर्दलीय, परसराम जनता कांग्रेस से, सुनिल कुमार कीर आम भारतीय पार्टी से तथा महेश बलाई ने जयलोक पार्टी से अपने नाम निर्देशन पत्र जमा किये।

चार आरोपी जिला बदर

हरदा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री ऋषि गर्ग ने पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर चार आरोपियों को जिला बदर करने के आदेश जारी किये है। जारी आदेश अनुसार आरोपी योगेश भाटी पिता जमुनादास भाटी निवासी ग्राम सोडलपुर थाना टिमरनी को 3 माह की अवधि के लिये जिला बदर किया गया है जबकि हुकुम सिंह कटारे पिता सुखलाल कटारे निवासी ग्राम पिपल्याकला थाना टिमरनी, राकेश उर्फ चोटी पिता जयनारायण विश्नोई निवासी ग्राम खमलाय थाना छीपाबड़ तथा लालू उर्फ विक्की चौहान पिता पृथ्वीराज चौहान निवासी फोकटपुरा मोहल्ला ग्राम सोडलपुर थाना टिमरनी को 6 माह के लिये जिला बदर किया गया है। इस अवधि में आरोपीगण हरदा जिले के साथ-साथ पड़ोसी जिलों नर्मदापुरम, देवास , खंडवा, सीहोर और बैतूल जिलों की सीमा में भी प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

प्रेक्षक श्री बाली ने दौरा कर नामांकन प्रक्रिया का जायजा लिया

हरदा (निप्र)। विधानसभा निर्वाचन के दौरान टिमरनी विधानसभा क्षेत्र के लिये भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक श्री नरिन्दर सिंह बाली ने सोमवार को टिमरनी में नामांकन प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होने टिमरनी के नवीन शासकीय माध्यमिक शाला, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, नगर पालिका शासकीय माध्यमिक शाला सहित 12 मतदान केंद्रो का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। प्रेक्षक श्री बाली ने छिंदगांव मेल बॉर्डर पर स्थित चेक पोस्ट पर स्टाफ से चर्चा कर कार्यवाही से संबंधित रिकॉर्ड का अवलोकन किया।

शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश

सीहोर (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा आम चुनाव 2023 के कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता के पालन में तथा विधानसभा आम चुनाव 2023 के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने की दृष्टि से जिला दण्डाधिकारी श्री प्रवीण सिंह द्वारा दण्ड प्रक्रिया राहिता 1973 की धारा 144 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी किये गये है। जिले के अंतर्गत आम सभा, रैली, जुलूस के पूर्व संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।ध्वनि विस्तारक यंत्र,लाउडस्पीकर के उपयोग की अनुमति लेना अनर्वाय होगा इसके लिए संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी द्वारा अनुमति निर्वाचन प्रक्रिया के तहत जारी दिशा निर्देशानुसार दी जावेगी।

प्रेक्षक श्री छाबड़ा ने मतदान केन्द्रों व चेक पोस्ट का निरीक्षण किया

हरदा (निप्र)। विधानसभा निर्वाचन के दौरान हरदा विधानसभा क्षेत्र के लिये भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक श्री हनीश छाबड़ा ने मंगलवार को हंडिया पहुँचकर वहां के चेक पोस्ट का औचक निरीक्षण किया तथा वहां मौजूद स्थैतिक निगरानी दल से अब तक की गई जप्ती की कार्यवाही की जानकारी ली। इस दौरान तहसीलदार श्री आशीष मिश्रा सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। इसके अलावा प्रेक्षक श्री छाबड़ा ने ग्राम बैड़ी, रातातलाई, बिछौला, सोनतलाई व करनपुरा के मतदान केन्द्रों का भी जायजा लिया और निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार मतदान केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने के लिये निर्देश दिये। उन्होने मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की सुविधा के लिये पेयजल, रैम्प, आने व जाने के लिये दो दरवाजे व शौचालय जैसी सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये भी कहा।

रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय में संवीक्षा का कार्य भी देखा : प्रेक्षक श्री छाबड़ा ने एसडीएम हरदा के कार्यालय में स्थापित रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय में पहुँचकर नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा का कार्य भी देखा। इस दौरान रिटर्निंग अधिकारी हरदा श्री आशीष खरे व सहायक रिटर्निंग अधिकारी श्री आर.के. झरबड़े भी मौजूद थे।

स्ट्रांग रूम व मतगणना स्थल देखा

विधानसभा निर्वाचन में हरदा विधानसभा क्षेत्र के प्रेक्षक श्री हनीश छाबड़ा और टिमरनी विधानसभा क्षेत्र के नरिन्दर सिंह बाली ने सोमवार शाम को पॉलिटेक्निक कॉलेज पहुँचकर वहां स्ट्रांग रूम और मतगणना के लिये की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होने रिटर्निंग अधिकारी श्री आशीष खरे व श्री महेश बड़ोले से व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। प्रेक्षक श्री छाबड़ा ने स्ट्रांग रूम के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के निर्देश दिये। प्रेक्षक द्वय ने मतदान सामग्री वितरण व्यवस्था तथा वाहन पार्किंग व्यवस्था के संबंध में भी रिटर्निंग अधिकारियों से जानकारी ली। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्री के.सी. परते व कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग श्री सुभाष पाटिल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्थैतिक निगरानी दल ने नगदी जप्त की

हरदा (निप्र)। स्थैतिक निगरानी दल के जिला स्तरीय नोडल अधिकारी डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट होमगार्ड श्री मयंक जैन ने बताया कि जिले की सीमाओं पर जांच चौकी स्थापित कर वाहनों की रात दिन लगातार जांच की जा रही है। उन्होने बताया कि गुरूवार को चेक पोस्ट हंडिया द्वारा सोमवार को डस्टर कार एमपी 04 केजी 6500 को चेक करने पर चिचोली निवासी व्यक्ति से 59500 रुपये जप्त किये गये। रुपयो के बारे मे कोई भी कागजात पेश नही किये। इसके अलावा विटारा कार एमपी 09 जेडजे 9113 को चेक करने पर जियागाँव तहसील खातेगांव निवासी से 1,10000 रुपये जप्त किये गये। रुपयो के बारे मे कोई भी कागजात पेश नही किये। इसके अलावा चेक पोस्ट पोखरनी पर वाहन क्रमांक एमपी 41 सीए 4069 से 90 हजार रूपये जप्त किए गए।

सामान्य प्रेक्षक श्री कुमार तथा व्यय प्रेक्षक श्री बेसरा ने रायसेन में स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण व्हीव्हीटी कक्ष का निरीक्षण कर अभ्यर्थियों के व्यय लेखा के संबंध में ली जानकारी

रायसेन (निप्र)। मप्र विधानसभा निर्वाचन हेतु रायसेन जिले के विधानसभा क्षेत्र सांची और सिलवानी के सामान्य प्रेक्षक आईएएस श्री संजय कुमार द्वारा रायसेन स्थित शास. स्वामी विवेकानंद कॉलेज पहुंचकर विधानसभा स्तरीय स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया गया। उन्होंने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी, लॉग बुक आदि का भी अवलोकन किया। साथ ही मतदान दलों को सामग्री वितरण की तैयारियों, परिवहन व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था भोजन आदि के संबंध में भी विस्तृत जानकारी ली गई। सामान्य प्रेक्षक श्री संजय कुमार को सांची विधानसभा क्षेत्र की रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था, मतदान सामग्री वितरण हेतु की जा रही व्यवस्थाओं तथा तैयारियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। साथ ही स्वीप प्लान के तहत आयोजित की जा रहीं मतदाता जागरूकता गतिविधियों के बारे में भी अवगत कराया गया। सामान्य प्रेक्षक तथा व्यय प्रेक्षक ने व्हीव्हीटी कक्ष का किया निरीक्षण सामान्य प्रेक्षक श्री संजय कुमार द्वारा स्ट्रांग रूम के निरीक्षण के दौरान उपस्थित सांची विधानसभा के व्यय प्रेक्षक आईआरएस श्री सुमित बेसरा से चर्चा करते हुए निर्वाचन अभ्यर्थियों के व्यय लेखे के संबंध में जानकारी ली गई।

सामान्य प्रेक्षक श्री संजय कुमार तथा व्यय प्रेक्षक श्री सुमित बेसरा ने स्वामी विवेकानंद शासकीय कॉलेज में बनाए गए व्हीव्हीटी कक्ष का भी निरीक्षण कर अभ्यर्थियों द्वारा की जा रहीं रैली, सहित विभिन्न माध्यमों से निर्वाचन संबंधी प्रचार-प्रसार पर हो रहे व्यय का आकलन किए जाने की कार्यवाही के संबंध में विस्तार से जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम श्री मुकेश सिंह सहित संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

अंतिम दिन 48 अभ्यर्थियों ने दाखिल किए नाम निर्देशन पत्र

सीहोर (निप्र)। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत निर्वाचन की अधिसूचना जारी होने के साथ ही चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई थी। नाम निर्देशन पत्र के अंतिम दिन 30 अक्टूबर 2023 को 48 नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए गए है। बुधनी विधानसभा से 11, आष्टा से 16, इछावर से 16 तथा सीहोर विधानसभा से 05 नाम निर्देशन पत्र जमा किए गए है। जिले की चारो विधानसभा से अब तक कुल 76 नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए गए है। इसमें बुधनी विधानसभा से 18, आष्टा से 25, इछावर से 23 तथा सीहोर विधानसभा से 10 नाम निर्देशन पत्र जमा किए गए है। नाम निर्देशन पत्रों की 31 अक्टूबर को संवीक्षा की जाएगी और 2 नवंबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। इसके पश्चात पूरे प्रदेश में 17 नवंबर को एक ही चरण में मतदान की प्रक्रिया संपन्न होगी। मतगणना 3 दिसंबर को होगी।

विधानसभा क्षेत्र उदयपुरा और भोजपुर के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक श्री मीना का जिले में आगमन जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने निर्वाचन कार्यवाहियों से कराया अवगत

रायसेन (निप्र)। जिले के विधानसभा क्षेत्र 140-उदयपुरा तथा 141-भोजपुर के सामान्य प्रेक्षक आईएएस श्री जगदीश प्रसाद मीना का सोमवार को जिले में आगमन हो गया है। सामान्य प्रेक्षक श्री मीना द्वारा कलेक्ट्रेट भवन में एमसीएमसी के तहत स्थापित मीडिया मॉनीटरिंग सेल का निरीक्षण किया गया। उन्होंने संचार के विभिन्न माध्यमों में पेड न्यूज की मॉनीटरिंग तथा विज्ञापन प्रमाणीकरण सहित अन्य कार्यो के संबंध में जानकारी ली।

सामान्य प्रेक्षक श्री मीना को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्री अरविंद दुबे ने अवगत कराया कि मीडिया मॉनीटरिंग सेल 24 घण्टे लगातार क्रियान्वित है तथा यहां प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और सोशल मीडिया में पेड न्यूज की सतत् मॉनीटरिंग की जा रही है। सामान्य प्रेक्षक श्री मीना को जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने विधानसभा क्षेत्र उदयपुरा तथा भोजपुर में निर्वाचन संबंधी कार्यवाहियों तथा तैयारियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। उन्होंने मतदान दलों के प्रशिक्षण, स्वीप गतिविधियों, मतदान केन्द्रों पर जरूरी व्यवस्थाएं सहित अन्य निर्वाचन संबंधी कार्यो से अवगत कराया गया।

सामान्य प्रेक्षक का मो.न. तथा आमजन से भेंट का समय जिले के विधानसभा क्षेत्र 140-उदयपुरा तथा 141-भोजपुर के सामान्य प्रेक्षक आईएएस श्री जगदीश प्रसाद मीना का मोबाईल नम्बर 9244550433 है तथा श्री मीना से निर्वाचन के संबंध में मण्डीदीप स्थित एससीजी ग्रेफाईट गेस्ट हाउस में प्रातः 09 बजे से प्रातः 10 बजे तक भेंट की जा सकती है। सामान्य प्रेक्षक श्री मीना का लायजनिंग अधिकारी श्री जलज चतुर्वेदी मो.न. 9826016920 को बनाया गया है।

मतदान के दिन ड्यूटी में होने पर 4 विभागों के शासकीय सेवक डाक मतपत्र से कर सकेंगे मतदान

सीहोर (निप्र)। मतदान के दिन ड्यूटी में होने पर 4 विभागों के शासकीय सेवकों को डाक मतपत्र से मतदान की सुविधा मिलेगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन -2023 की मतदान तिथि 17 नवम्बर को अत्यावश्यक सेवाओं में कर्त्तव्यस्थ होने के कारण 4 विभागों के शासकीय सेवक डाक मतपत्र से मतदान कर सकेंगे। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इस आशय की अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। जारी अधिसूचना के अनुसार मतदान के दिन ड्यूटी पर होने के कारण अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर उपस्थित होने में सक्षम नहीं होंगे। ऐसे शासकीय सेवक डाक मतपत्र से मतदान करने के लिये पात्र होंगे।

केन्द्रीय व्यय प्रेक्षक श्री समित बेसरा ने भोजपुर विधानसभा में विभिन्न एसएसटी चेक प्वाइंट का किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले के विधानसभा क्षेत्र 141-भोजपुर और 142-सांची के लिए नियुक्त केन्द्रीय व्यय प्रेक्षक आईआरएस श्री सुमित बेसरा द्वारा भोजपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बामनी, बरखेड़ा, मेदूआ और बंगरसिया में स्थापित एसएसटी चेक प्वाइंट का निरीक्षण किया गया। व्यय प्रेक्षक श्री सुमित बेसरा ने चेक प्वाइंट्स के निरीक्षण के दौरान एसएसटी टीमों से जानकारी ली कि अभी तक कितने वाहनों की जांच की गई है, जांच के दौरान कितनी राशि जप्ती की गई है, सोना-चांदी या अन्य कीमती सामानों की जप्ती हुई है या नहीं सहित अन्य जानकारियां ली गई। उन्होंने एसएसटी टीमों को पूरी सजगता, निष्ठा और पारदर्शिता के साथ कार्य करने के लिए कहा।

प्रेक्षकों ने मतदान केन्द्रों तथा नामांकन प्रक्रिया का किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। विधानसभा निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए भारत निवार्चन आयोग द्वारा सीहोर जिले के लिए प्रेक्षक नियुक्त किए गए है। प्रेक्षकों ने जिले में मतदान केन्द्रो, नाम निर्देशन की कार्यवाही, सामग्री वितरण व्यवस्था सहित अनेक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केन्द्रों पर सुचारू एवं निर्बाद्ध रूप से मतदान सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। प्रेक्षक श्री के. देवगांवकर ने आष्टा में चल रहे निर्वाचन कार्यो का निरीक्षण किया। उन्होंने आष्टा में स्ट्रांग रूम, सामग्री वितरण व्यवस्था और मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केन्द्रों पर विद्युत, रैम्प, पेयजल, साफ-सफाई सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री आनन्द सिंह राजावत ने आष्टा में चल रहे निर्वाचन संबंधी कार्यो की जानकारी दी। इछावर में प्रेक्षक श्री सुरेश चौधरी ने आरओ कार्यालय का निरीक्षण किया और आरओ कार्यालय में चल रही नाम निर्देशन पत्र जमा करने की कार्यवाही देखी। उन्होंने सभी अधिकारियों को नाम निर्देशन जमा करने की प्रक्रिया तथा नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा में आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री जमील खान ने इछावर में चल रहे निर्वाचन संबंधी कार्यो की जानकारी दी।

हरदा व टिमरनी से 1-1 अभ्यर्थी के नाम निर्देशन पत्र निरस्त

हरदा (निप्र)। विधानसभा निर्वाचन के लिये आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम अनुसार नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की कार्यवाही मंगलवार को रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय हरदा व टिमरनी में की गई। जांच के दौरान हरदा विधानसभा क्षेत्र से श्री महेश बलाई का नाम निर्देशन पत्र निरस्त किया गया, जबकि टिमरनी विधानसभा क्षेत्र से श्री बालकराम काजले का नाम निर्देशन पत्र निरस्त किया गया।

दैनिक सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...

प्रतिभा ग्लोबल स्कूल ,इंदौर में उमंग विंग के बच्चों का शैक्षणिक भ्रमण

इंदौर। बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ मनोरंजन की भी आवश्यकता होती है। 'खेल-खेल में शिक्षा' इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिभा ग्लोबल स्कूल इंदौर में आज उमंग विंग के छात्रों,नर्सरी से कक्षा दूसरी को शैक्षणिक सैर पर चिड़ियाघर ले जाया गया ।इंदौर के कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय में बच्चों को पशु -पक्षियों तथा विभिन्न प्रकार के हिंसक जानवरों को भी दिखाया गया।इस सैर दौरान शिक्षकों ने इन पशु-पक्षियों से संबंधित जानकारियां बच्चों को दी और उन्हें बताया कि ये पर्यावरण के संतुलन में भी हमारी सहायता करते हैं। हमें इनके साथ प्रेम -भाव से रहना चाहिए और उनकी सुरक्षा का भी भरपूर ध्यान रखना चाहिए।इस सैर के दौरान बच्चों स्वच्छता का भी ध्यान रखने को कहा गया और खाने-पीने की बची-खुची सामग्रियों को कचरा पेटी में डालने को कहा गया। जिससे बच्चे भी स्वच्छता के प्रति जागरूक हो सके। इस सैर के दौरान बच्चों को कुछ रोचक गतिविधियां भी कराई गई और बच्चों ने इन गतिविधियों का भरपूर आनंद उठाया।

राऊ में अनाधिकृत रुप से 18 लाख 50 हजार रुपये नगदी का आदान प्रदान करते दो व्यक्ति पकड़ाए

इंदौर। आगामी मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 निष्पक्ष एवं निर्विघ्न रूप से संपन्न कराने हेतु पुलिस प्रशासन द्वारा आचार संहिता का पालन हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत स्त्रस्ज्ञ एवं स्स्ज्ञ टीमों को जिले में लगाया गया है। इसी कड़ी में स्त्रस्ज्ञ (फ्लाईंग स्कॉट टीम) क्रमांक 1 विधानसभा क्षेत्र 210 राऊ इन्दौर में कार्यपालक मजिस्ट्रेट श्रम निरीक्षक कुलदीप इंगले एवं पुलिस थाना भँवरकुआं के द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुये एप्पल अस्पताल के पीछे इन्दौर से दो लड़के जो अपने साथ अनाधिकृत रुप से लिये नगदी रुपयों का आदान प्रदान करते हुये पकड़े जिनसे 18 लाख 50 हजार रुपये नगदी सहित दो मोटरसाईकल व तीन मोबाईल फोन कार्यवाही में जब्त किये गये हैं। पकड़े गये व्यक्तियों से पूछताछ में नाम क्रमशः 1- गोरव साहू उम्र 22 साल निवासी दतिया (म.प्र.) हाल भोलाराम मार्ग रिंग रोड इन्दौर तथा 2- प्रतीक रोशन उम्र 20 साल निवासी स्कीम नं. 136 सिक्का स्कूल के पास विजय नगर इन्दौर का होना बताया। उक्त दोनों व्यक्तियों से उनके द्वारा ले जाई जा रही नगद रकम के संबंध में पूछताछ एवं जांच की जा रही है, जिसके आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

एमपीईबी द्वारा पेड़ों की अवैध कटाई से हो रहा पर्यावरण को भारी नुकसान

इंदौर। अन्नपूर्णा रोड पर परस्पर नगर के पास ग्रीन बेल्ट पर एमपीईबी के द्वारा पेड़ों की अवैध कटाई की गई। विद्युत लाइनों की सहूलियत के लिए जहां पेड़ों की सिर्फ डाली काटने की ज़रूरत थी वहां पूरा पेड़ ही काट दिया गया जो की वैध नहीं है। अवैध कटाई कर देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की हरियाली एवं पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इस सन्दर्भ में जब सम्बंधित अधिकारियों से बात करने की कोशिश की गई तो किसी ने भी कोई जवाब नहीं दिया।

बोरिंग में आ रहा ड्रेनेज का पानी, गन्दा पानी पीने से लोग हो रहे बीमार

नर्मदा लाइन डालने कई स्थान पर तोड़ दी मैन ड्रैनेज लाइन

इंदौर। राऊ विधानसभा क्षेत्र के गोकुल नगर वार्ड क्रमांक 76 में नर्मदा लाइन डालने के लिए ठेकेदार ने मैन ड्रैनेज लाइन को कई स्थान पर तोड़ दिया और उसे अब तक ठीक नहीं किया गया जिससे ड्रैनेज का पानी जमीन के माध्यम से बोरिंग में आ रहा है। गन्दा पानी पीने से लोग बीमार हो रहे हैं। क्षेत्र में करीब 200 घर है जिसमें 400-500 परिवार निवास करते हैं और रहवासियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। नर्मदा लाइन डालने का कार्य इतनी धीमी गति से चल रहा है कि खुदाई व ड्रेनेज का काम अधूरा ही पड़ा हुआ है और जगह जगह गन्दा पानी एकत्रित हो रहा है लेकिन कोई भी जिम्मेदार इस और ध्यान नहीं दे रहे हैं। नगर निगम के इंजीनियर, पार्षद, विधायक और कोई भी राजनीतिक दल इस समस्या को देखने नहीं आ रहे हैं और न ही इसका समाधान कर रह हैं। इसकी शिकायत केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग को भी की गई है लेकिन अब तक इसका निराकरण नहीं हो सका है।

साढ़े 18 लाख रूपए नगदी सहित दो गिरफ्तार, पैसों का प्रमाण नहीं

वैधानिक कागजात के राशि का परिवहन करते पाए गए

इंदौर। जिले में निर्वाचन के दौरान नकद राशि के अवैध रूप से लाने ले जाने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जा रही है। एफएसटी (फ्लाईंग स्कॉट टीम) एवं एसएसटी टीमों को जिले में लगाया गया है। विधानसभा राऊ क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई हुई। इस कार्रवाई में साढ़े 18 लाख रूपये नगदी सहित दो व्यक्ति पकड़ाए है। दोनों व्यक्ति उक्त राशि का परिवहन बिना किसी वैधानिक कागजात के कर रहे थे।

बड़ी मात्रा में ले जाई जा रही नकद राशि के संबंध में जांच एवं पूछताछ की जा रही है। बताया गया कि यह कार्रवाई राऊ विधानसभा क्षेत्र में गठित एफएसटी दल क्रमांक-एक के प्रभारी कुलदीप इंगले, सहायक उप निरीक्षक अजय सिंह चौहान, आरक्षक प्रमोद त्यागी व अजय तोमर थाना भंवरकुआं द्वारा की गई। बताया गया कि दोपहर ढाई बजे एप्पल हॉस्पिटल के पीछे दो युवकों रोशन की रैंडम जांच की गई। रैंडम जांच में 18 लाख 50 हजार रुपये जब्त किए गए। इनके पास से नगदी सहित दो मोटरसाइकिल व तीन मोबाईल फोन कार्यवाही में जब्त हुए। उन्हें आगामी कार्यवाही करते हुए रिटर्निंग अधिकारी राकेश परमार द्वारा जब्त राशि को कोषालय में जमा कराया गया व नियमानुसार आयकर विभाग को सूचित किया गया।

आयकर विभाग द्वारा आगामी कार्यवाही की जाएगी। पकड़े गए युवकों से पूछताछ में उन्होंने अपने नाम गौरव साहू (22 साल) निवासी दतिया हाल मुकाम भोलाराम मार्ग रिंग रोड तथा प्रतीक रोशन (20 साल) निवासी स्कीम नं. 136 सिक्का स्कूल के पास विजय नगर होना बताया। उक्त दोनों व्यक्तियों से उनके द्वारा ले जाई जा रही नगद रकम के संबंध में पूछताछ एवं जांच की जा रही है, जिसके आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

जिले में स्वतंत्र व निष्पक्ष निर्वाचन के लिए सभी पुख्ता इंतजाम किए

प्रेक्षकों की उपस्थिति में हुई नोडल अधिकारियों की बैठक

इंदौर। जिले में विधानसभा निर्वाचन की व्यापक तैयारियां जारी है। इसी सिलसिले में आज यहां कलेक्टर कार्यालय में निर्वाचन की विभिन्न व्यवस्थाओं से जुड़े नोडल अधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक आलोक कुमार पांडेय, पुलिस प्रेक्षक संदीप सिंह चौहान, सामान्य प्रेक्षक विजय पाल सिंह, अरविंद पाल सिंह संधू, राकेश कुमार मिश्रा, अश्विनी कुमार मिश्रा तथा अमित खत्री विशेष रूप से मौजूद थे। बैठक में पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर, कलेक्टर डॉ इलैया राजा टी सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

बैठक में प्रेक्षक इंदौर जिले में स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन के लिये की जा रही तैयारियों से अवगत हुए। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने इंदौर जिले में चल रही निर्वाचन संबंधी तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने इंदौर जिले में किये जा रहे नवाचारों के बारे में भी बताया। इस अवसर पर बताया गया कि जिले में स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन के लिये भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप सभी तैयारियां और व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में की जा रही है। जिले में आदर्श आचरण संहिता, संपत्ति विरूपण अधिनियम सहित भारत निर्वाचन आयोग के नियम और निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है। निर्वाचन ड्यूटी में लगे हर स्तर के अधिकारी-कर्मचारियों को विभिन्न चरणों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिले में प्रथम रेंडमाइजेशन के बाद ईवीएम और वीवीपेट सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम रख दिये गये है। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने नेहरू स्टेडियम से मतदान दलों को सामग्री वितरण, मतदान के पश्चात वापस सामग्री प्राप्ति तथा मतगणना आदि की जानकारी भी दी। उन्होंने शिकायतों के निराकरण और एकल खिड़की के माध्यम से विभिन्न अनुमतियां दी जाने की व्यवस्थाओं के बारे में भी बताया। पुलिस कमिश्नर श्री मकरंद देउस्कर ने निर्वाचन के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्थाएं बनाये रखने तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने अपराधियों के विरुद्ध की जा रही प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के बारे में भी बताया।

मीडिया मॉनिटरिंग रूम का अवलोकन

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक आज जिला पंचायत में गठित मीडिया मॉनिटरिंग रूम पहुंचे और व्यवस्था का अवलोकन किया। कलेक्टर डॉ इलैया राजा टी और जिला पंचायत के सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन ने उन्हें एमसीएमसी के कार्यों से अवगत कराया। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त पुलिस प्रेक्षक संदीप सिंह चौहान, सामान्य प्रेक्षक विजयपाल सिंह, अरविंद पाल सिंह संधू , राकेश कुमार मिश्रा, अश्विनी कुमार मिश्रा तथा अमित खत्री विशेष रूप से मौजूद थे। इस अवसर पर उन्होंने मीडिया मॉनिटरिंग रूम की व्यवस्थाओं को देखा। इस अवसर पर निर्वाचन के दौरान इलेक्ट्रानिक तथा प्रिंट मीडिया की मॉनिटरिंग के संबंध में आयोग के नियम और निर्देशों के हिन्दी में रूपांतरित संकलन का अवलोकन भी प्रेक्षकगणों द्वारा किया गया।

टैंकर और बोरिंग के पानी से मुक्ति दिलाकर नर्मदा का पानी पहुंचाया

क्षेत्र की अवैध कॉलोनी को वैध कॉलोनी बनाने का वादा किया

इंदौर। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-1 के वार्ड क्रमांक 1 में 30 साल में भी नर्मदा का पानी नहीं पहुंच पाया था। लोग टैंकर के पानी और बोरिंग के पानी पर निर्भर थे। मैंने इस वार्ड के नागरिकों को टैंकर और बोरिंग के पानी से मुक्ति दिलाई है और नर्मदा का पानी पहुंचाया।

यह बात विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-1 के कांग्रेस के उम्मीदवार संजय शुक्ला ने वार्ड क्रमांक-एक में जनसंपर्क करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा के विधायक, भाजपा की नगर निगम परिषद और भाजपा के सांसद के साथ में प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के बाद भी इस वार्ड में पानी तक की व्यवस्था नहीं थी। लोग या तो बोरिंग का पानी पीते थे और बोरिंग सूख जाता था, तो टैंकर से पानी खरीद कर पीते थे। मैंने यहां पर पानी की टंकी बनवाकर नर्मदा का पानी इस वार्ड में पहुंचाया है। इस वार्ड में सीवरेज और सड़क की भी व्यवस्था नहीं थी। इस समस्या का भी मेरे द्वारा समाधान किया गया है। अब आने वाले समय में इस वार्ड में स्थित हर अवैध कॉलोनी को वैध कॉलोनी बनवाया जाएगा।

तूफानी जनसंपर्क- संजय शुक्ला का मंगलवार को वार्ड क्रमांक 1 में तूफानी जनसंपर्क हुआ। हरिहर नगर से जनसंपर्क की शुरुआत हुई। इसके बाद कृष्णपुरी, जगदीश पूरी, गीता नगर, गीता नगर एक्सटेंशन, राम बलराम नगर, सिरपुर गांव, अम्मार नगर की गली और मोहल्ले में संजय शुक्ला पैदल निकले और जन-जन का अभिवादन किया। जनसंपर्क में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी साथ में चल रहे हैं। जनसंपर्क के दौरान जबरदस्त उत्साह का माहौल देखने को मिला।लोगों के जबरदस्त उत्साह के चलते जनसंपर्क में कांग्रेस का एक तरफा माहौल नजर आ रहा है।

जनसंपर्क के दौरान प्रमुख रूप से शहर कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष गोलू अग्निहोत्री, मनजीत सिंह टुटेजा, माखन चौधरी, इमामुद्दीन तिगाला, राजेश सोलंकी, लीलाधर लड्ढा, सुनील गोधा, प्रियांशु पांडे, लखन मकवाना, अमजद खान, जाकिर भाई सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

युवाओं में ब्रेन स्ट्रोक के खतरे बढ़े, तनाव, जीवनशैली में बदलाव सबसे बड़ा कारण

● स्ट्रोक से बचने के लिए फल, सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन आहार लें

इंदौर। बदलती जीवनशैली और बिगड़ते खानपान के कारण जो बीमारी पहले 50 वर्ष की उम्र के बाद लोगों को होती थी, वह अब युवावस्था में ही होने लगी है। ब्रेन स्ट्रोक जो अब न केवल उम्रदराज लोगों में बल्कि युवाओं में भी तेजी से फ़ैल रही है। अस्पतालों में 40 प्रतिशत युवा मरीज आ रहे हैं। ब्रेन स्ट्रोक के लक्षण बेहद ही सामान्य होते हैं, इसलिए इसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन, इसके परिणाम भयावह हो सकते हैं। ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों की संख्या बढ़ने का कारण तनाव, स्मोकिंग, ब्लड प्रेशर भी है। ब्रेन स्ट्रोक के लक्षण चेहरे का टेढ़ापन, जुबान का लड़खड़ाना, एक तरफ के हाथ-पैर में कमजोरी एवं झनझनाहट आना, सिर में दर्द, बेहोशी और चक्कर आना आदि है। यदि इन लक्षणों को पहचानकर मरीज को साढ़े चार घंटे के भीतर उपचार मिल जाए तो स्थिति में सुधार लाया जा सकता है।

एमवाय अस्पताल ओपीडी में ब्रेन स्ट्रोक के करीब आठ मरीज रोजाना आते हैं। यहां मरीजों को निजी अस्पताल की तरह ही थ्रंबोलाइसिस से उपचार मिलता है। इसमें इंजेक्शन लगाया जाता है, जो थक्के को घोल देता है और मस्तिष्क की धमनी में रक्त प्रभाव सामान्य हो जाता है और लकवाग्रस्त मरीज ठीक हो जाता है। वहीं इसके लिए अस्पताल में स्ट्रोक अलर्ट टीम भी बनाई गई है। जो मरीज के आने पर उसे उपचार देना शुरू कर देती है। इसके अलावा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भी स्ट्रोक के मरीजों का इलाज किया जाता है।

ऐसे बचें स्ट्रोक से

विशेषज्ञों के मुताबिक स्ट्रोक से बचने के लिए फल, सब्जियां, साबुत अनाज और लीन प्रोटीन से भरपूर आहार लें, हरी पत्तेदार सब्जियां, अंगूर, एवोकाडो पालक बीन्स जैसे पोटेशियम युक्त फूड का सेवन करें, कद्दू के बीज जैसे मैग्नीशियम युक्त खाद्य पदार्थ खाएं, एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर फूड का सेवन करें एवं नियमित रूप से व्यायाम करें।

गांधी नगर निवासी 25 साल के युवक को ब्रेन स्ट्रोक आ गया। युवक को पहले से इसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी। लेकिन, जब अस्पताल पहुंचा तो उसे स्ट्रोक के बारे में पता चला। समय पर अस्पताल पहुंचने के कारण अब वह स्वस्थ है। देवास के निवासी 35 साल के युवक को घर पर टीवी देखते समय अचानक स्ट्रोक आ गया था। परिवार को लगा कि यह सामान्य दर्द हो सकता है, अस्पताल लेकर पहुंचे तो पता चला कि स्ट्रोक है। गनीमत रही कि सही डॉक्टर के पास पहुंचने पर बीमारी पकड़ में आ गई।

एमवाय अस्पताल की न्यूरोलॉजिस्ट डॉ अर्चना वर्मा ने बताया कि ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों की संख्या एमवाय अस्पताल में भी बढ़ने लगी है। पहले जहां उम्रदराज लोग उपचार के लिए आते थे। लेकिन, अब युवा भी इलाज के लिए आने लगे हैं। अस्पताल में मरीजों को निजी अस्पताल की तरह ही बेहतर इलाज मिलता है। इसके लिए अस्पताल में स्ट्रोक अलर्ट टीम भी बनी हुई है। जो मरीज के आते ही तुरंत अलर्ट हो जाती है। स्ट्रोक के लिए अब कई प्रकार के उपचार होने लगे हैं। स्पीच थेरेपी, फिजियोथेरेपी के माध्यम से भी इसका उपचार होने लगा है।

कोरोना के बाद से समस्या बढ़ी

जबकि, एमवाय की ही न्यूरोलॉजिस्ट डॉ मोनिका पोरवाल बागुल का कहना है कि युवाओं में सबसे ज्यादा सेरेब्रल वेनस थ्रोम्बोसिस (सीवीटी) स्ट्रोक होता है। हालांकि इसके नियमित उपचार से एक साल में मरीज ठीक हो जाते हैं। एमवाय अस्पताल में स्ट्रोक के पुराने मरीजों को बोटोक्स थेरेपी आयुष्मान योजना के तहत दी जाती है। यह काफी महंगी होती है। लेकिन मरीजों के लिए यह काफी फायदेमंद होती है। कोरोना के बाद से युवाओं में स्ट्रोक की समस्या बढ़ने लगी है। स्मोकिंग और शराब के सेवन से स्ट्रोक की संभावना बढ़ जाती है। न्यूरो सर्जन डॉ संदीप मूलचंदानी के मुताबिक, ब्रेन में स्ट्रोक इस्कीमिक या हेमोरेजिक होता है। लेकिन, अधिकतर लोग इस्कीमिक ब्रेन स्ट्रोक का शिकार होते हैं। जब दिमाग तक ब्लड सप्लाई करने वाली नसें ब्लॉक हो जाती है, तो यह इस्कीमिक ब्रेन स्ट्रोक कहा जाता है, वहीं हेमोरेजिक ब्रेन स्ट्रोक तब होता है जब दिमाग की नसें फट जाती है इस स्थिति को ब्रेन हेमरेज भी कहा जाता है। कई बार लक्षणों को नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन, इसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया गया तो भविष्य में बड़ा स्ट्रोक हो सकता है।

स्ट्रोक का कारण बदलती जीवनशैली

न्यूरोलॉजिस्ट डॉ अमित माहेश्वरी का इस बारे में कहना है कि आमतौर पर ब्रेन स्ट्रोक तब होता है, जब दिमाग में पर्याप्त मात्रा में ब्लड और ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती। स्ट्रोक का सबसे अहम कारण बदलती जीवनशैली है, समय पर खाना और सोना एक स्वस्थ मस्तिष्क के लिए बहुत जरूरी है, इसके अलावा जंक फूड और फास्ट फूड भी स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। अनुवांशिकता, लंबे समय तक डिहाइड्रेशन, शरीर में प्रोटीन की कमी, सिर में किसी तरह की चोट, धूम्रपान, शराब का सेवन, मोटापा, प्रदूषण जैसी समस्याएं भी स्ट्रोक का खतरा बढ़ा सकती है।

दैनिक सद्भावना पाती
गुरुवार ● 02 नवंबर 2023, इंदौर

संपादकीय

आतंकियों के निशाने पर आम जनता

कश्मीर घाटी में दहशतगर्दों का मनोबल किसी भी रूप में टूटता नजर नहीं आ रहा। वे रणनीति बदल-बदल कर हमले करने में कामयाब हो जा रहे हैं। कभी वे सीधे सेना और पुलिस ठिकानों को निशाना बनाते हैं, तो कभी लक्षित हिंसा की रणनीति अपना लेते हैं। पिछले कुछ समय तक वे सुरक्षाबलों के काफिले पर घात लगा कर हमला करते देखे जा रहे थे, अब फिर से चुन-चुन कर आम नागरिकों निशाना बनाने लगे हैं।

पिछले चौबीस घंटों के भीतर जिस तरह दो अलग-अलग जगहों पर उन्होंने हमले किए उससे साफ है कि तमाम सुरक्षा इंतजामों को चुनौती देने के मकसद से वे अपनी मौजूदगी जाहिर करना चाहते हैं। श्रीनगर के ईदगाह इलाके में एक पुलिस अधिकारी पर बिल्कुल नजदीक से उस समय तीन गोलियां दागी गईं, जब वे स्थानीय बच्चों के साथ क्रिकेट खेल रहे थे। दूसरी घटना पुलवामा की है, जिसमें एक प्रवासी मजदूर को गोली मारी गई। इन घटनाओं के बाद स्वाभाविक रूप से सुरक्षाबल सक्रिय और चौकस हो गए हैं। इस तरह के हमलों के पीछे दहशतगर्दों का मकसद महज दहशत फैलाना होता है। क्रिकेट खेलते बच्चों के सामने पुलिस अधिकारी को गोली मारने के पीछे उनका इरादा एक तरह से उस इलाके में और खासकर बच्चों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाना ही रहा होगा। प्रवासी मजदूरों को इस तरह लक्ष्य बना कर हमला करने के पीछे भी उनका मकसद जाहिर है। वे बाहर से आकर घाटी में किसी भी तरह का काम कर रहे लोगों में यह भय भर देना चाहते हैं कि वहां रहना उनके लिए खतरे से खाली नहीं है। वे प्रवासियों को प्रदेश से बाहर भगा देना चाहते हैं। कुछ महीने पहले घाटी में लौट रहे कश्मीरी पंडितों

पर लक्षित हमले करके भी उन्होंने यही संदेश देने की कोशिश की कि वे घाटी से बाहर चले जाएं।

दरअसल, दहशतगर्द भय पैदा करके अपनी स्वीकार्यता हासिल करना चाहते हैं। इस तरह से वे सरकारी दावों और सुरक्षा बंदोबस्त की धज्जियां उड़ाने का भी प्रयास करते हैं। सवाल है कि सुरक्षा इंतजामों में कहां कमियां रह गई हैं, जिनके चलते आतंकवादियों पर नकेल कसना चुनौती बना हुआ है। पिछले आठ-नौ सालों से घाटी में दहशतगर्दी रोकने के मकसद से सुरक्षा इंतजाम काफी पुख्ता किए गए हैं, लगातार सघन तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं, आतंकी संगठनों को वित्तीय मदद पहुंचाने वालों को सलाखों के पीछे कर दिया गया है, सीमा पार से मिलने वाली मदद पर लगभग पूरी तरह अंकुश है, आए दिन मुठभेड़ में आतंकवादियों के मारे जाने की खबरें भी होती हैं। इसके बावजूद अगर घाटी में हिंसा का सिलसिला नहीं रुक रहा, तो इस पर नए सिरे से विचार की जरूरत है। सबसे चिंता का विषय है कि आतंकवादी सुरक्षा चक्र के भीतर घुस कर अपनी साजिशों को अंजाम देते और फिर फरार हो जाते हैं। श्रीनगर के ईदगाह में जिस तरह पुलिस अधिकारी को नजदीक से गोली मारी गई और सुरक्षा कर्मियों को चकमा देते हुए निकल भागे, उससे यही साबित होता है कि उनके भीतर सुरक्षाबलों का बहुत खौफ नहीं है। शायद वे सुरक्षाबलों की गतिविधियों पर नजर रखते और मौका पाकर हमला कर देते हैं। उनके इस तरह हमलों से यह भी साफ है कि उन्हें मिलने वाली वित्तीय मदद और साजो-सामान की पहुंच को पूरी तरह रोका नहीं जा सका है। ऐसे में सुरक्षा संबंधी खामियों का व्यावहारिक मूल्यांकन जरूरी है।

सोशल मीडिया से...

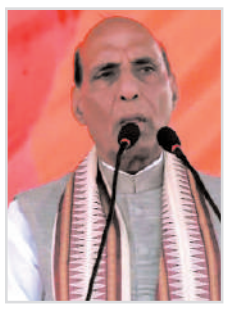

यदि सरदार पटेल को ही जम्मू-कश्मीर के विलय की भी जिम्मेदारी मिलती तो वहां कभी आर्टिकल 370 लागू नहीं हो पाता। यदि वह नहीं होते तो फिर आज जूनागढ़ और हैदराबाज जाने के लिए भी वीजा लग जाता। सिविल सर्विसेज का फ्रेमवर्क भी सरदार पटेल ने ही तैयार किया था। इतने सबके बाद भी उन्हें उनके हिस्से का सम्मान नहीं मिला था।

राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

सरकार पर लगाए जा रहे आरोप बिल्कुल बेबुनियाद और गलत है, इन नेताओं को एप्पल से सफाई मांगनी चाहिए कि यह किस तरह का मैसेज है और कंपनी के जवाब से असंतुष्ट होने पर एफआईआर करवाना चाहिए। इन नेताओं को एफआईआर करने से कौन रोक रहा है?

रविशंकर प्रसाद, पूर्व केंद्रीय मंत्री

प्रवर्तन निदेशालय उनके सामने आने पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लेगा क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनसे डरते हैं। बीजेपी और पीएम मोदी जानते हैं कि वे आम आदमी पार्टी को चुनाव में नहीं हरा सकते। इसलिए, आप को खत्म करने की कोशिश में वे इसके प्रमुख नेताओं को जेल में डाल रहे हैं।

आतिशी, मंत्री दिल्ली सकरार

पहले, मैं सोचता था कि नंबर 1 पीएम मोदी हैं, नंबर 2 अडानी हैं और नंबर 3 अमित शाह हैं, लेकिन यह गलत है, नंबर 1 हैं अडानी, नंबर 2 हैं पीएम मोदी और नंबर 3 हैं अमित शाह। हम भारत की राजनीति को समझ चुके हैं और अब अडानी जी बच नहीं सकते। ध्यान भटकाने वाली राजनीति चल रही है।

राहुल गाँधी, कांग्रेस नेता

आज का कार्टून

दिल्ली से दोहा- भारत की परीक्षा!

अजीत द्विवेदी

कतर में भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अधिकारियों को फांसी की सजा हुई है। कतर की निचली अदालत ने क्या आरोप तय किए हैं और किस आरोप में फांसी की सजा सुनाई है उसे सार्वजनिक नहीं किया गया है। लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन पर आरोप है कि वे कतर में रह कर इजराइल के लिए जासूसी कर रहे थे। पहले पिछले साल अगस्त में उनको गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद उनसे बहुत सख्त पूछताछ हुई। खबरों के मुताबिक पूछताछ के दौरान ज्यादती भी हुई। गिरफ्तारी के एक महीने बाद उनके परिजनों से उनका संपर्क हुआ और अक्टूबर में जाकर उनको कौंसुलर एक्सेस मिली। तभी कतर में भारत के राजदूत ने गिरफ्तार नौसेना अधिकारियों से मुलाकात की थी। उनकी फांसी की सजा पर भारत सरकार ने जो प्रतिक्रिया दी उससे लगता है कि फैसला अचानक आया और भारत को अंदाजा नहीं था कि फांसी की सजा हो सकती है। विदेश मंत्रालय ने पहली प्रतिक्रिया में कहा कि वह हैरान और स्तब्ध है। इसका मतलब है कि भारत को यह अंदाजा तो था कि सजा होगी लेकिन फांसी की सजा होगी यह अंदाजा नहीं था।

अगर कतर की न्यायिक व्यवस्था को देखें तो इसके बाद अपील की अदालत का रास्ता है और उसकी सर्वोच्च अदालत व फिर कतर के अमीर के पास अपील का रास्ता भी है। लेकिन आमतौर पर निचली अदालत से हुई सजा को बरकरार रखा जाता है और उस पर तत्काल अमल हो जाता है। जैसे 2017 में नेपाल के नागरिक अनिल चौधरी के साथ हुआ था। नेपाल के दूतावास को सूचना देने के एक दिन बाद ही चौधरी की फांसी की सजा पर अमल हो गया था। इसका मतलब है कि पहले चरण में ही भारत को सारी ताकत लगानी चाहिए थी। बहरहाल, अब भी भारत के पास रास्ता है कि किसी तरह से मामला अपील की अदालत में जाए और वहां भारतीय नागरिकों को बचाने का प्रयास हो। साथ ही बैक चैनल कूटनीति के जरिए भी उनकी रिहाई का प्रयास होना चाहिए।

लेकिन उससे पहले सवाल है कि भारत ने पिछले 14 महीने में क्या कूटनीतिक प्रयास किए और अपनी बढ़ती ताकत, जिसका आए दिन भारत में प्रचार किया जाता है, उसका क्या इस्तेमाल किया? अगर भारत विश्वगुरू और विश्वमित्र है और दुनिया में पहले के मुकाबले उसकी बात ज्यादा सुनी जा रही है और बकौल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, दुनिया में कोई भी बड़ा फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछे बगैर नहीं हो रहा है तो फिर आठ भारतीय नागरिकों को फांसी की सजा का फैसला कैसे हो गया? कतर ने क्यों भारत का लिहाज नहीं किया? क्या आठ भारतीयों का गुनाह इतना बड़ा है कि कतर ने भारत की परवाह करने की जरूरत नहीं समझी? ध्यान रहे कतर में आठ लाख भारतीय हैं, जो वहां की अर्थव्यवस्था और रोजमर्रा के जीवन में बड़ा योगदान कर रहे हैं। भारत के साथ उसका मजबूत कारोबारी संबंध है। भारत अपनी जरूरत का 40 फीसदी प्राकृतिक गैस कतर से लेता है और कतर को निर्माण सामग्री और खाने-पीने की ताजा वस्तुओं की आपूर्ति के मामले में भारत तीसरा सबसे बड़ा देश है। 2017 में खाड़ी देशों की पाबंदी के बावजूद भारत और कतर के कारोबारी संबंध कायम रहे थे। इसके बावजूद कतर ने भारतीय नागरिकों के लिए सबसे बड़ी सजा का ऐलान किया। कतर इस किस्म के उकसाने वाले काम करता रहता है। भारत का भगोड़ा जाकिर नाईक भी कतर में हुए फीफा वर्ल्ड कप के दौरान दिखाई दिया था। कतर वैसे भी मुस्लिम ब्रदरहुड का समर्थन करने वाला देश है। इसलिए इस पूरे घटनाक्रम में कानूनी कार्रवाई से इतर कोई अन्य पहलू होने से इनकार नहीं किया जा सकता है। कतर में गिरफ्तार और फांसी की सजा पाए भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारियों में कई बड़े सम्मानित पदों पर रहे हैं और भारतीय जलपोतों पर बड़ी भूमिका निभा चुके हैं। उनके ऊपर जासूसी का आरोप लगाना न सिर्फ उनका, बल्कि भारत की नौसेना की महान परंपरा और भारत के लिए भी अपमानजनक है। उनकी गिरफ्तारी के समय से ऐसी खबरें आती रही हैं कि यह एक साजिश है, जिसमें पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी ने बड़ी भूमिका निभाई है। यह भी कहा जा रहा है कि पिछले 14 महीने में अपने नागरिकों को छुड़ाने के लिए जितना प्रयास भारत ने किया उससे ज्यादा प्रयास पाकिस्तान ने इस बात का किया कैसे भारतीय नागरिकों को बड़ी से बड़ी सजा हो जाए। इस पूरे प्रकरण से एक वैश्विक ताकत होने का जो भ्रम भारत की ओर से रचा जा रहा था वह खुल गया है। अब चाहे कितना भी प्रचार हो वह भ्रम फिर से बहाल नहीं हो सकता है। इसके बावजूद भारत सरकार को अपने नागरिकों को फांसी की सजा से बचाने का प्रयास करना चाहिए।

> 2017 में खाड़ी देशों की पाबंदी के बावजूद भारत और कतर के कारोबारी संबंध कायम रहे थे। इसके बावजूद कतर ने भारतीय नागरिकों के लिए सबसे बड़ी सजा का ऐलान किया। कतर इस किस्म के उकसाने वाले काम करता रहता है। भारत का भगोड़ा जाकिर नाईक भी कतर में हुए फीफा वर्ल्ड कप के दौरान दिखाई दिया था। कतर वैसे भी मुस्लिम ब्रदरहुड का समर्थन करने वाला देश है। इसलिए इस पूरे घटनाक्रम में कानूनी कार्रवाई से इतर कोई अन्य पहलू होने से इनकार नहीं किया जा सकता है। कतर में गिरफ्तार और फांसी की सजा पाए भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारियों में कई बड़े सम्मानित पदों पर रहे हैं और भारतीय जलपोतों पर बड़ी भूमिका निभा चुके हैं। उनके ऊपर जासूसी का आरोप लगाना न सिर्फ उनका, बल्कि भारत की नौसेना की महान परंपरा और भारत के लिए भी अपमानजनक है।

इसके लिए कुछ लोग दिसंबर का इंतजार करने को कह रहे हैं क्योंकि 18 दिसंबर को कतर के अमीर का जन्मदिन है और अपने जन्मदिन पर वे दोषियों की सजा माफ करते हैं और उनकी रिहाई का आदेश देते हैं। लेकिन अगर ऐसा होता है तो यह और भी अपमानजनक होगा। हालांकि भारत में पिछले कुछ समय से हर किस्म के अपमान को सम्मान बताने का सिलसिला एक नियम के तौर पर स्थापित हो गया है। फिर भी नौसैनिकों के मामले में ऐसा न हो तो बेहतर होगा। भारत को अमीर के जन्मदिन पर अपने सम्मानित नौसैनिकों की रिहाई का इंतजार नहीं करना चाहिए। भारत को अपनी सामरिक, आर्थिक व वैश्विक कूटनीतिक शक्ति का इस्तेमाल करके अपने नागरिकों को छुड़ाने का प्रयास करना चाहिए। दुनिया ने देखा कि किस तरह से इजराइल पर हमला करने वाले हमास की कैद से अमेरिकी बंधक छुड़ाए गए हैं। वह विश्व शक्ति का तरीका होता है। कतर ने हमास पर दबाव डाल कर दोनों अमेरिकी बंधकों को छुड़वाया।

सबको पता है कि पश्चिम एशिया में अमेरिका के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में कतर भी हैं। यह भी कहा जाता है कि वह अमेरिका का सबसे भरोसेमंद गैर-नाटो सहयोगी है। इसी तरह से जिस देश ने भारतीय नागरिकों पर जासूसी का आरोप लगाया है और जिस देश के लिए जासूसी का आरोप लगा है यानी इजराइल, दोनों अमेरिका के नजदीकी सहयोगी हैं। सो, निश्चित रूप से भारत और अमेरिका को पता चल गया होगा कि जासूसी के आरोपों में कितनी सचाई है। हालांकि इस बारे में जनता को कुछ भी बताने की जरूरत नहीं है, कोई सूचना सार्वजनिक करने की जरूरत नहीं है लेकिन उम्मीद करनी चाहिए कि उस हकीकत के हिसाब से भारत और अमेरिका अपना अगला कदम उठाएं। इसमें अमेरिका के साथ साथ खाड़ी के दूसरे देश, जिनके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बड़े आत्मीय निजी संबंध बताए जाते हैं उन देशों की भी मदद लेनी चाहिए।

इसके साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक टकराव यानी इजराइल और हमास की जंग में आठ भारतीय नागरिकों का जीवन सौदेबाजी का विषय न बने। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा और नागरिकों को बताना भी होगा कि कतर का फैसला इजराइल और हमास की जंग से नहीं जुड़ा है। भारत ने इजराइल का समर्थन किया और कतर हमास का समर्थक है तो भारत पर दबाव डालने के लिए कतर ने भारतीय नागरिकों का जीवन दांव पर लगाया, ऐसा नहीं होना चाहिए। भारत को यह भी दिखाना होगा कि वैश्विक जगत में उसकी हैसियत प्यादे की नहीं है, जिसे कूटनीतिक लाभ-हानि के लिए इस्तेमाल किया जाए। क्योंकि अगर एक बार इस तरह की घटना हो गई तो फिर पूरी दुनिया में रह रहे करोड़ों भारतीयों का जीवन खतरे में आएगा। खाड़ी के मुस्लिम देशों में ही लाखों भारतीय रहते हैं, जिनका जीवन खतरे में पड़ेगा। अगर सरकार आठ भारतीय नागरिकों के जीवन को 140 करोड़ भारतीयों के जीवन और उनके आत्मसम्मान का मुद्दा बनाती है तभी दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ेगा।

मन और तन को स्वस्थ और संतुलित रखें

> एक ओर संतुलित रहकर ईमानदारी से अपना काम करते रहना सहज है, वहीं कई बार ऐसी भी दुसाध्य परिस्थितियों से हमारा सामना हो जाता है, जब हम लगभग बेबस हो जाते हैं, दुख और संताप हमारे जीवन में प्रवेश करने लगता है। इस तरह के अनायास दुख को हमारे संघर्ष के उस आखिरी पड़ाव की तरह देखा जा सकता है, जिसमें हमारे स्वयं के सारे प्रयास समाप्त हो चुके हों। इसके बाद हम निष्क्रियता की डगर पर बढ़ते हुए किसी अन्य व्यक्ति से सहायता की उम्मीद पालने को विवश होने लगते हैं। यही स्थिति एक तरह से हमारे लिए घातक होती है, जिससे तत्काल बाहर निकलना बेहद जरूरी होता है।

एकता कानूनगो बक्षी

जीवन की हर जद्दोजहद में हमारे पास आमतौर पर दो विकल्प मौजूद होते हैं। पहला यह कि या तो हम अपनी वर्तमान परिस्थिति में खुश रहें या फिर हम उस अनचाही परिस्थिति को कोसते हुए अवसाद से ग्रस्त हो जाएं। इन दो विकल्पों को भी एकमात्र उपाय में कुछ इस तरह सोचकर परिणत कर सकते हैं कि हर तरह की मुश्किल में हम बेहतर करते रहने के लिए प्रयासरत बने रहेंगे, संघर्ष करते रहेंगे। मेहनत और कोशिशें हमें विपरीत परिस्थितियों में भी मुस्कराने का साहस दे जाती हैं।

यही कारण है कि कई बार हमें परेशानियों और अभावों से जूझता कोई व्यक्ति मुस्कराता हुआ नजर आ जाता है। उसे पता होता है कि कठिन जीवन में बने रहने के लिए उसके पास बहुत अधिक विकल्प नहीं हैं। वह व्यस्त रहता है, मेहनत करता है, अगले दिन अपने को ऊर्जावान बनाए रखने के लिए मन और तन को स्वस्थ और संतुलित रखने की कोशिश करता रहता है।

जिम्मेदारियों का भार कम करने का रास्ता खुद के द्वारा की गई आज की मेहनत और हिम्मत से होते हुए ही गुजरता है। सुंदर भविष्य के महल की नींव हर दिन थोड़ी-थोड़ी करके बनाता रहता है। शायद यही सही रास्ता भी है। किसी

चमत्कार की उम्मीद या किसी खजाने के मिल जाने की उम्मीद पालने या किसी और से मदद की आस लगाए बैठे रहने के बजाय अपनी मेहनत से उठाए गए छोटे कदम अधिक कारगर कहे जा सकते हैं।

एक ओर संतुलित रहकर ईमानदारी से अपना काम करते रहना सहज है, वहीं कई बार ऐसी भी दुसाध्य परिस्थितियों से हमारा सामना हो जाता है, जब हम लगभग बेबस हो जाते हैं, दुख और संताप हमारे जीवन में प्रवेश करने लगता है। इस तरह के अनायास दुख को हमारे संघर्ष के उस आखिरी पड़ाव की तरह देखा जा सकता है, जिसमें हमारे स्वयं के सारे प्रयास समाप्त हो चुके हों। इसके बाद हम निष्क्रियता की डगर पर बढ़ते हुए किसी अन्य व्यक्ति से सहायता की उम्मीद पालने को विवश होने लगते हैं। यही स्थिति एक तरह से हमारे लिए घातक होती है, जिससे तत्काल बाहर निकलना बेहद जरूरी होता है।

यकीनन हमारी दुनिया ऐसे बहुत अच्छे लोगों से आबाद है, जो अपनी जरूरतों को पीछे रखकर दूसरों की निस्वार्थ मदद के लिए आगे आते रहे हैं। इसीलिए यह भी कहा जाता है कि उम्मीद पर ही दुनिया कायम है। लेकिन सवाल है कि ऐसी उम्मीदें हमारे जीवन का रास्ता सुगम बनाने में कितनी मदद करेंगी या क्या सचमुच कोई सार्थकता उनमें खोजी जा सकती है? विषम स्थिति में बाहरी मदद की उम्मीद को भले ही हम पूरी तरह गलत नहीं मान सकते, पर सच तो यह है कि जब तक हम खुद सक्षम हैं, तब तक अपनी महत्त्वाकांक्षाओं और अपने से संबंधित खुशियों की जिम्मेदारी पूरी तरह हमारी अपनी होनी चाहिए। यह कहना गलत नहीं होगा कि हमारी दुनिया जरूरतों की नींव पर खड़ी हुई है। हम एक दूसरे पर निर्भर हैं। एकाकी जीवन पसंद करने वाले व्यक्ति को भी अपनी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए समाज का रुख करना ही होता है। फिर वह आर्थिक जरूरत हो या फिर भावनात्मक निर्भरता। हमें समाज की जरूरत होती है। जरूरतों का गहरा संबंध अपेक्षाओं और उम्मीदों से है। उम्मीद एक ओर एक सकारात्मक शब्द है, हमें हौसला देती है, दूसरी ओर यही उम्मीद उस समय हानिकारक हो जाती है, जब हम खुद से और दूसरों से जरूरत से ज्यादा उम्मीदें पालने लगते हैं। इससे आगे, उम्मीद जब अपेक्षाओं में बदलने लगती हैं, तब नई समस्याएं आ खड़ी होती हैं।

अक्सर उदास और निराश व्यक्ति के असामान्य आचरण को समझने पर पता चलता है कि उनके दुख के मूल में दूसरों द्वारा किए गए गलत व्यवहार, उपेक्षा और असहयोग भी कारक होते हैं। अन्यों से मिलने वाला यह बोझ हम इसलिए उठाते रहते हैं कि हमने उनसे बहुत अधिक उम्मीदें लगा रखी थीं। नए लोगों से हम अपने संबंधों का विस्तार तो करते हैं, पर हम वह सीमा तय नहीं कर पाते, जिसमें हमारा व्यक्तित्व पूरी तरह स्वतंत्र बना रह सके। हमारी खुशी और मुस्कराहटों के निर्धारक हम स्वयं हो सकते हैं।

इसलिए जीवन के लिए उम्मीद कायम रहनी चाहिए। लेकिन इसके समांतर यह भी सच है कि खुद से बहुत अधिक उम्मीद करने की जगह अगर हम अपने आपको भी अपने वर्तमान के काम को पूरी निष्ठा के साथ करने को प्रेरित करते रहें और उससे आई हमारी अपनी सफलता को बिना किसी मापदंड पर आंकें, खुशी-खुशी गले लगा लें तो ऐसे में हमारी खुशियां तो बढ़ेंगी ही, हमें नए मुकाम हासिल करने की ऊर्जा भी मिल जाएगी।

जिंदगी में मौजूदा जरूरत की खुशियों को जीने के बजाय खुद को समेटना जीवन के वास्तविक तत्त्वों को हमसे कई बार छीन लेता है। भविष्य पर टिकी दूरस्थ उम्मीदों को फतह कर लेने से बड़ी उपलब्धि हमारे आज को भरपूर तरीके से जी लेने में है, जो हमारे अपने हाथ में है।

कीमतों में नरमी से भारतीयों ने तीन माह में खरीदा 210 टन सोना, त्योहारी मांग से 10 फीसदी बढ़ी मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। कीमतों में नरमी और त्योहारी मांग की वजह से भारतीयों ने इस साल की तीसरी तिमाही यानी जुलाई-सितंबर में 210.2 टन सोना खरीदा। यह एक साल पहले की समान तिमाही में खरीदे गए 191.7 टन सोने की तुलना में 10 फीसदी अधिक है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि 2023 की तीसरी तिमाही में भारत ने 220 टन सोने का आयात किया। यह आंकड़ा जुलाई-सितंबर, 2022 में आयात किए गए 184.5 टन सोने से 19.24 फीसदी अधिक है। डब्ल्यूजीसी के क्षेत्रीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी (भारत) सोमसुंदरम पीआर ने कहा, दुनिया में सोने के दूसरे सबसे बड़े उपभोक्ता भारत में सितंबर तिमाही में पीली धातु की कीमतों में नरमी आई। इससे लोगों में सोने के प्रति आकर्षण बढ़ा।

सोने की छड़-सिक्कों में निवेश 8 साल के शीर्ष पर- रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल की तीसरी तिमाही में सोने के आभूषणों की मांग सात फीसदी बढ़कर 155.7 टन पहुंच गई। 2022 की समान तिमाही में भारतीयों ने 146.2 टन आभूषण खरीदे थे। इस अवधि में सोने की छड़ और सिक्के की मांग 20 फीसदी बढ़कर 45.4 टन से

54.5 टन पहुंच गई। खास बात यह है कि तीसरी तिमाही के दौरान सोने की छड़ और सिक्कों में निवेश 2015 के बाद आठ साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया है।

कीमतों में तेजी का धनतेरस की खरीदारी पर दिखेगा असर- सोमसुंदरम ने कहा, पिछली तिमाही में सोने की कीमतों में नरमी के बाद अब इसमें तेजी आनी शुरू हो गई है। कीमतों में उछाल का धनतेरस और शादियों के सीजन में सोने की खरीदारी पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, चौथी तिमाही में सोने की मांग तीसरी तिमाही के समान ही रहने की उम्मीद है। अगर कीमतों में और बढ़ोतरी नहीं हुई तो मांग थोड़ी बेहतर होगी।

वैश्विक स्तर पर 6 प्रतिशत घटी मांग- वैश्विक स्तर पर सोने की मांग 2023 की तीसरी तिमाही में छह फीसदी घटकर 1,147.5 टन रह गई। केंद्रीय बैंकों की ओर से सोने की छड़ों और सिक्कों की मांग में नरमी से यह गिरावट आई है।

2023 में कम रहेगी बिक्री पर आयात में होगा इजाफ- 2023 के पहले नौ महीनों में सोने की मांग 481.2 टन रही। इस पूरे साल मांग 700-750 टन रह सकती है, जो 2022 के 774 टन से मामूली कम है। हालांकि, इस साल सोने का आयात 2022 के 650.7 टन से अधिक रहने की उम्मीद है। इस साल के पहले नौ महीने में भारत ने 563 टन सोने का आयात किया है। दुनिया में सोने के सबसे बड़े उपभोक्ता देश चीन में सोने की मांग जुलाई-सितंबर अवधि में एक साल पहले के 242.7 टन से मामूली बढ़कर 247 टन पहुंच गई। पाकिस्तान में इस दौरान मांग 11 फीसदी घटकर 11.6 टन रह गई।

बजाज ऑटो की बिक्री अक्टूबर में 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। बजाज ऑटो की अक्टूबर में कुल बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 4,71,188 इकाई रही। कंपनी ने अक्टूबर 2022 में 3,95,238 इकाइयों की बिक्री की थी। बजाज ऑटो लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि अक्टूबर में डीलर को भेजी गई इकाइयों की संख्या 36 प्रतिशत बढ़कर 3,29,618 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल समान अवधि में यह 2,42,917 इकाई थी। कंपनी के अनुसार यह उसकी अब तक की सबसे अधिक मासिक थोक बिक्री है। हालांकि, अक्टूबर में उसका कुल निर्यात सालाना आधार पर सात प्रतिशत घटकर 1,41,570 इकाई रह गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 1,52,321 इकाई था।

मल्टीबैगर स्टॉक ने किया डिविडेंड देने का ऐलान

हर शेयर पर 200 प्रतिशत का फायदा, रिकॉर्ड डेट का हुआ ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले एक साल के दौरान निवेशकों को शानदार रिटर्न देने वाले शेयर एडीएफ फूड्स लिमिटेड ने निवेशकों के लिए डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी ने हर शेयर पर 200 प्रतशित डिविडेंड देने जा रहा है। इस डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट का भी ऐलान हो गया है। जोकि 15 नवंबर से पहले ही है। बता दें, मंगलवार को एडीएफ फूड्स लिमिटेड के शेयर का भाव 239 रुपये था।

कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा, 31 अक्टूबर को हुई बोर्ड मीटिंग में हर शेयर 200 प्रतिशत का डिविडेंड देने का फैसला किया है। योग्य निवेशकों को 2 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयर पर 4 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। कंपनी ने डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 10 नवंबर 2023 तय किया है। यानी डिविडेंड का लाभ उसे ही मिलेगा जिसके पास कंपनी के शेयर 9 नवंबर को रहेंगे।

शेयर बाजार में दमदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी - पिछले एक साल में इस मल्टीबैगर स्टॉक की कीमतों में 67 प्रतिशत से अधिक का इजाफा देखने को मिला है। वहीं, 6 महीने पहले जिन निवेशकों को 57 प्रतिशत का मुनाफा हो गया है। निवेशकों के नजरिए से अच्छी बात यह है कि कंपनी के शेयरों की कीमतों में बीते एक महीने के दौरान 13 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

एडीएफ फूड्स का 52 वीक हाई 261.95 रुपये प्रति शेयर और 52 वीक लो 133.46 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। बता दें, कंपनी का मार्केट कैप 2647.71 करोड़ रुपये है।

भारती एयरटेल का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 37.5 प्रतिशत 1,341 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, एजेंसी। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 37.5 प्रतिशत घटकर 1,341 करोड़ रुपए रहा। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 2,145 करोड़ रुपए रहा था। भारती एयरटेल की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय सालाना आधार पर 44.2 प्रतिशत बढ़कर 2,960 करोड़ रुपए रही। दूसरी तिमाही में राजस्व 7.3 प्रतिशत बढ़कर 37,044 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के प्रबंध निदेशक गोपाल विट्टल ने कहा, ''इस तिमाही में भी राजस्व वृद्धि और मुनाफा मजबूत रहा। भारत में राजस्व बढ़ा है और इसमें क्रमिक रूप से 2.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि हमारा एकीकृत राजस्व नाइजीरियाई नायरा के अवमूल्यन से प्रभावित हुआ था।

विपणन सत्र 2023-24 में सकल चीनी उत्पादन 9 प्रतिशत कम रहने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। चीनी उद्योग निकाय इस्मा ने चालू विपणन सत्र के लिए सकल चीनी उत्पादन नौ प्रतिशत गिरकर 337 लाख टन रहने का मंगलवार को अनुमान जताते हुए कहा कि यह उत्पादन घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त होगा। हालांकि इस्मा ने इथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी को स्थानांतरित किए जाने का का अनुमान नहीं लगाया है। भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने एक बयान में कहा, ''चीनी विपणन सत्र 2023-24 में सकल चीनी उत्पादन लगभग 337 लाख टन होने का अनुमान है।

चीनी विपणन वर्ष अक्टूबर से शुरू होकर सितंबर तक चलता है। अगस्त में इस्मा ने सकल चीनी उत्पादन 369 लाख टन होने का अनुमान लगाया था जबकि इथेनॉल के लिए 41 लाख टन भेजने के बाद शुद्ध चीनी उत्पादन 328 लाख टन होने का अनुमान लगाया गया था। इस्मा ने कहा, ''भारत की घरेलू खपत औसत 278.5 लाख टन रहने के अनुमान को देखते हुए यह उत्पादन पर्याप्त चीनी की उपलब्धता का आश्वासन देता है। इस्मा ने कहा कि दिसंबर में शुरू होने वाले इथेनॉल आपूर्ति सत्र 2023-24 के लिए फ़ीड स्टॉक-वार इथेनॉल खरीद मूल्य की घोषणा के बाद ही इथेनॉल की ओर चीनी का उपयोग किये जाने का अनुमान लगाया जाएगा। एसोसिएशन ने कहा कि वर्ष 2023-24 में देश में गन्ने का कुल रकबा लगभग 57 लाख हेक्टेयर होने का अनुमान है। भारत ने विपणन वर्ष 2022-23 के दौरान 61 लाख टन चीनी का निर्यात किया जबकि इसके एक साल पहले यह रिकॉर्ड 112 लाख टन था। सरकार ने अभी तक इस विपणन वर्ष के लिए निर्यात की अनुमति नहीं दी है।

All doctors in India to have unique identification number by next year: National Medical Commission

All doctors in India will soon have a unique identification number (UID) by 2024, according to the National Medical Commission (NMC), the regulatory body for medical education and professionals. As per a TOI report, the NMC announced on Tuesday that a pilot project to generate UIDs will be launched within the next two months, followed by an expansion to cover all practicing doctors across the country. An official stated that they aim to complete this process within the next six months.

The generation of UIDs is part of the NMC's initiative to establish a national medical register, which will serve as a central repository of information on doctors practicing in India. This register will include details such as registration number, name, place of work, medical qualifications (including additional qualifications), specialty, and the names of the institutes/universities from where the qualifications were obtained. The National Medical Register will be made accessible to the public through the NMC's website, replacing the existing Indian Medical Register (IMR). It was mentioned that the data of nearly 14 lakh registered doctors will be transferred to the new register.

Undergraduate students will be initially assigned 'masked UIDs', which will be unmasked and allotted upon completion of their MBBS degree. These UIDs will remain with the doctors throughout their professional careers. Additionally, doctors will have the opportunity to update their qualifications on the portal.

In another development, the NMC has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Quality Council of India (QCI) to assess and rate medical institutions. Starting from the 2024-25 academic session, both government and private medical colleges in the country will be evaluated based on the quality of medical education they provide. Currently, only government medical colleges are required to participate in the National Institutional Ranking Framework. Dr Yogendra Malik, a member of the Ethics and Medical Registration Board of NMC, explained that the QCI offers an independent third-party assessment mechanism and promotes quality through national accreditation of testing, inspection, and certification bodies that are internationally recognized.

अडानी की कंपनी के बेहतर नतीजे भी निवेशकों को नहीं कर पाए आकर्षित

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी टोटल गैस के अच्छे नतीजे भी निवेशकों को लुभा नहीं पाए। आज 1 नवंबर को अडानी टोटल गैस (एटीजीएल) के शेयर 1 प्रतिशत बढ़कर 570 रुपये प्रति शेयर के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंचने बाद फिसल गए और साढ़े 10 बजे के करीब 0.22 फीसद नीचे 561.05 रुपये पर ट्रेड करने लगे।

बता दें अडानी टोटल गैस लिमिटेड ने मंगलवार को दूसरी तिमाही के नतीजे पेश किया। सितंबर तिमाही में इसका नेट प्राफिट 20 फीसद बढ़ गया, लेकिन निवेशकों का भरोसा जीतने में यह स्टॉक आज असफल रहा। एटीजीएल ने मंगलवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत बढ़कर 168 करोड़ रुपये हो गया।

अडानी टोटल गैस के शेयर अब तक 84 फीसद से अधिक टूट चुके हैं। इसके शेयर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से पहले करीब 4000 रुपये के थे। 23 जनवरी 2023 को यह शेयर 3901 रुपये पर था, लेकिन हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद से यह 522 रुपये के निचले स्तर पर आ गया।

एक लाख घटकर 16000 रुपये से भी कम रह गए- इस स्टॉक में जिसने 10 महीने पहले एक लाख रुपये निवेश किया था और अब तक बना हुआ है तो उसका एक लाख घटकर 16000 रुपये से भी कम रह गए हैं। पिछले छह महीने में यह स्टॉक 41.42 फीसद और एक महीने में 8 फीसद से अधिक टूट चुका है।

फिल्मों के प्रसिद्ध स्थानों पर घूमना है 94 प्रतिशत भारतीयों की पसंद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अब बॉलीवुड की फिल्मों और टीवी में दिखाए जा रहे कार्यक्रमों के आधार पर घूमने का स्थान चुन रहे हैं। 2024 में 94 प्रतिशत भारतीय इन्हीं स्थानों पर जाना चाह रहे हैं। स्काईस्कैनर के सर्वे के मुताबिक, इनमें शिमला से लेकर पेरिस तक पसंदीदा स्थान हैं।

स्काईस्कैनर ने 1,000 भारतीयों पर यह सर्वे किया है। इसके मुताबिक, 2024 में भारतीयों को यात्रा करने के लिए प्रेरित करने वाले शीर्ष शहरों मे हिमाचल प्रदेश का मनाली है, जहां ये जवानी है दीवानी फिल्म से लोग प्रभावित हैं। इसके बाद लद्दाख है, जहां 47 फीसदी लोग जाना चाहते हैं। इसे 3 इडियट्स में दिखाया गया है। स्थान यूनाइटेड किंगडम के लंदन में 43 प्रतिशत भारतीय जाना चाहते हैं।

एनपीएस के नए नियम के तहत 60 फीसद रकम किस्तों में निकालें, पहले थी एकमुश्त की व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। पेंशन कोष नियामक ने राष्ट्रीय पेंशन योजना से राशि निकासी के नियमों में अहम बदलाव किए हैं। इसके तहत रिटायरमेंट या 60 वर्ष की उम्र के बाद मिलने वाली 60 फीसद परिपक्वता राशि को नियमित अंतराल पर किस्तों में निकाला जा सकेगा। एनपीएस सदस्य यह रकम मासिक/तिमाही/छमाही या सालाना आधार पर निकाल सकेंगे। पहले इसे सालाना या एकमुश्त निकाला जा सकता था।

एन्यूटी के नियमों में किसी तरह का बदलाव नहीं- नियामक ने हाल ही में इस संबंध में नए दिशा -निर्देशों जारी किए हैं। इनके मुताबिक, सदस्यों को व्यवस्थित राशि निकासी सुविधा मुहैया कराई जाएगी। निकासी योग्य 60 फीसद परिपक्वता राशि को अधिकतम 75 वर्ष की उम्र तक या उससे पहले निकालने का विकल्प मिलेगा। यह सुविधा सिर्फ टियर-1 खाते मिलेगी। एसएलडब्ल्यू के जरिए निकाली गई राशि पूरी तरह से कर मुक्त होगी। वहीं, एन्यूटी के नियमों में किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है।

ऐसे करना होगा निवेदन- एनपीएस ग्राहकों को एसएलडब्ल्यू सुविधा शुरू करने के लिए ऑनलाइन या ऑफलाइन मोड के जरिए एक बार निवेदन करना होगा। ग्राहकों को इस सुविधा को शुरू और खत्म करने की तिथि बतानी होगी। साथ ही यह भी बताना होगा कि वे कितनी राशि किस अंतराल पर चाहते हैं। प्रत्येक भुगतान के बाद शेष राशि एनपीएस में निवेश के रूप में बनी रहेगी। इस शेष राशि पर रिटर्न मिलता रहेगा।

क्या है मौजूदा नियम- नियमों के मुताबिक एनपीएस में जमा कुल कोष में से 60 फीसद राशि एकमुश्त निकाली जा सकती है, जबकि शेष 40 फीसद राशि से पेंशन के लिए एन्यूटी प्लान खरीदना होता है। 60 फीसद राशि की निकासी एकमुश्त या सालाना आधार पर कई बार कर सकते हैं। यदि सालाना आधार पर निकासी होती है तो प्रत्येक वर्ष इसके लिए आवेदन करना होता है।

शेयर बाजार में आईपीओ की धमाकेदार लिस्टिंग, पहले दिन ही 16 प्रतिशत का मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्लू जेट हेल्थकेयर आईपीओ की शेयर बाजार में धमाकेदार एंट्री हुई है। ब्लूट जेट हेल्थकेयर आईपीओ की लिस्टिंग बीएसई में 359.90 रुपये प्रति शेयर पर हुई थी। वहीं, एनएसई में कंपनी की लिस्टिंग 9.8 प्रतिशत के प्रीमियम पर 380 रुपये पर हुई है। हालांकि, कुछ ही देर बाद ब्लू जेट हेल्थ केयर आईपीओ 16.28 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 402.35 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। बता दें, ब्लू जेट हेल्थकेयर आईपीओ का प्राइस बैंड 329 रुपये से 346 रुपये था।

यह आईपीओ निवेशकों के लिए 25 अक्टूबर से 27 अक्टूबर 2023 तक ओपन था। कंपनी ने आईपीओ का लॉट साइज 43 शेयरों का बनाया है। जिस वजह से एक निवेशक को कम से कम 14,878 रुपये का दांव लगाना पड़ा था। वहीं, कोई भी रिटेल निवेशक अधिक से अधिक 13 लॉट पर दांव लगा सकता है। बता दें, कंपनी ने एंकर निवेशकों के जरिए 252.08 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

ब्लू जेट हेल्थकेयर आईपीओ आखिरी दिन 7.95 गुना सब्सक्राइब किया गया था। रिटेल कैटगरी में यह आईपीओ 2.24 गुना और क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल कैटगरी में 13.72 गुना और नॉन इंस्टीट्यूशनल इंवेस्टर्स कैटगरी में 13.59 गुना सब्सक्राइब किया गया था। बता दें, आईपीओ ओपनिंग के पहले दिन 0.70 गुना और दूसरे दिन 1.32 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था।

सेलो वर्ल्ड लिमिटेड का आईपीओ पहले

दिन ही देगा 131 का फायदा!

सेलो वर्ल्ड लिमिटेड के आईपीओ को शुरुआती 2 दिनों के दौरान शानदार रिस्पॉस मिला है। 30 और 31 अक्टूबर को मिलाकर इस आईपीओ लगभग 2 गुना सब्सक्राइब किया गया है। निवेशकों के पास इसे आज यानी बुधवार को भी सब्सक्राइब करने का मौका है। बता दें, सेलो वर्ल्ड लिमिटेड के आईपीओ का प्राइस बैंड 617 रुपये से 648 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। निवेशकों को ग्रे मार्केट से गुड न्यूज है।

सेलो वर्ल्ड लिमिटेड के आईपीओ को दूसरे दिन 1.55 गुना सब्सक्राइब किया गया था। रिटेल सेक्शन में 1.11 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल इंवेस्टर्स कैटगरी में 0.05 गुना और नॉन इंस्टीट्यूशनल इंवेस्टर्स कैटगरी में 4.58 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था। सेलो वर्ल्ड लिमिटेड के आईपीओ को पहले दिन यानी 30 अक्टूबर को 0.41 गुना सब्सक्राइब किया गया था। सेलो वर्ल्ड लिमिटेड का आईपीओ ग्रे मार्केट में आज 131 रुपये के प्रीमियम पर उपलब्ध है। टॉप शेयर ब्रोकर की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी की लिस्टिंग 779 रुपये के आस-पास हो सकती है। जिस वजह से पहले दिन निवेशकों को 20 प्रतिशत से अधिक का फायदा हो सकता है। बता दें, शेयर बाजार सेलो वर्ल्ड लिमिटेड की लिस्टिंग 6 नवंबर 2023 को संभव है।

क्या है लॉट साइज - कंपनी ने रिटेल निवेशकों के लिए 1 लॉट में 23 शेयर रखे हैं। जिस वजह से किसी भी निवेशक को कम से कम 14,904 रुपये का दांव लगाना होगा। वहीं, कोई भी रिटेल निवेशक अधिक से अधिक 13 लॉट पर दांव लगा सकता है। बता दें, कंपनी ने अपने कर्मचारियों को 1 शेयर पर 61 रुपये का डिस्काउंट दिया था।

मुकेश अंबानी को लगा झटका, लाभ के मामले में एसबीआई ने रिलायंस को पछाड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूंजीकरण के लिहाज से सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को तगड़ा झटका लगा है। वित्त वर्ष 2022-23 में एसबीआई ने 50,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का फायदा कमाकर रिलायंस को पीछे छोड़ दिया है। रिलायंस का लाभ 44,205 करोड़ रुपये रहा है।

एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, रिलायंस ने 2021-22 में कुल 66,702 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। इस अवधि में एसबीआई ने 31,675 करोड़ रुपये का फायदा कमाया था। पिछले वित्त वर्ष में जहां रिलायंस के मुनाफे में 22,497 करोड़ रुपये की कमी आई है, वहीं एसबीआई का लाभ 18,557 करोड़ रुपये बढ़ गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और एसबीआई ऐसे संस्थान हैं, जो निवेश, निवेशक और अन्य वित्तीय पैमाने पर सबसे आगे हैं।दोनों के पास ग्राहकों का बड़ा आधार है।उनके पास पूंजी की भी कोईकमी नहीं है।रिपोर्ट में कहा गया है कि ये दोनों कंपनियां भले ही महार प्रतिशत की श्रेणी में नहीं आती हैं, पर देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इनका 37 फीसदी का अहम योगदान है।

सरकारी कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में एसबीआई की हिस्सेदारी 45 फीसदी- शेयर बाजार में सूचीबद्ध कुल सरकारी कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 11 लाख करोड़ रुपये है। इसमें 5 लाख करोड़ रुपये के साथ अकेले देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआईकी 45 फीसदी हिस्सेदारी है। रिपोर्ट के मुताबिक, फायदा कमाने वाली शीर्ष-10 कंपनियों में केवल एक महार प्रतिशत कंपनी ओएनजीसी ही शामिल है। इस समय 13 महार प्रतिशत कंपनियां हैं, जबकि 1997 में पहली बार 9 महार प्रतिशत कंपनियां बनी थीं। अभी 16 नवर प्रतिशत और 68 मिनीर प्रतिशत कंपनियां हैं। सेवा क्षेत्र देश के विकास में इस समय 53 फीसदी योगदान दे रहा है।

ज्योग्राफिकल इन्फॉर्मेशन सिस्टम में कैरियर कैसे बनाएं

ज्योग्राफिकल इन्फॉर्मेशन सिस्टम करियर के विकल्प क्या है, ज्योग्राफिकल इन्फॉर्मेशन सिस्टम करियर बनने के लिए क्या करें पूरी जानकारी के लिए इस पोस्ट को आखिर तक पढ़ें। ज्योग्राफिकल इन्फॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) भूगोल की एक प्रमुख शाखा है, जो रिमोट सेंसिंग, डिजिटल तकनीक व हाईटेक विधियो से सुसज्जित है, इसमें पुरानें आंकड़ों के साथ-साथ नए आंकड़ों को भी संशोधित किया जाता हैं, इस शाखा के बढ़ते महत्व एवं उपयोगिता को देखते हुए विभिन्न विश्वविद्यालयो में इससे सम्बंधित कोर्ष कराये जाते है, अगर आप भी ज्योग्राफिकल इन्फॉर्मेशन सिस्टम में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं, तो इस पोस्ट मे बताई गई जानकारी आपके लिए बहुत ही सहायता प्रदान कर सकती है।

जीआईएस क्या है

जीआईएस एक ऐसा सॉफ्टवेयर है, जिसके द्वारा किसी क्षेत्र की टारगेट एरिया की मैपिंग की जा सकती है, इसके बाद प्राप्त डाटा के माध्यम से ऑफिस में बैठे-बैठे ही उस पूरे क्षेत्र की सही जानकारी मिल जाती हैं। इस सॉफ्टवेयर का प्रयोग अर्थ साइंस, एग्रिकल्चर, डिफेंस, न्यूक्लियर साइंस, आर्किटेक्चर, टाउन प्लानर, मैपिंग, मोबाइल आदि क्षेत्र में अधिक होता हैं, इसकी सहायता से किसी भी स्थान की स्थिति को अपने कंप्यूटर पर देखा एवं बनाया जा सकता है।

जिओग्रॅफिक इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी क्षेत्र

- फोटोग्रामैट्री
- जीआईएस ऐप्लिकेशन
- जीआईए डेवलॅपमेंट
- जिओस्टेटिस्टीक
- जीआईएस प्रोजेक्ट डेवलॅपमेंट
- वेबजीआईएस

शैक्षणिक योग्यता

यदि आप जीआईएस में पोस्ट ग्रेजुएशन, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट आदि कोर्स कर सकते हैं। साधारणतया जिओलॉजी, अप्लायड जिओलॉजी, अर्थ साइंस, जिओग्राफी, जिओसाइंस बीएससी, बीई, बीटेक आदि में स्नातक डिग्रीधारक कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं।

बहुत से शिक्षण संस्थानों में जीआईएस से संबंधित पाठ्यक्रम को संचालित किया जा रहा हैं। इस क्षेत्र की प्रमुख शिक्षण संस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ जिओ-इन्फॉर्मेटिक्स ऐंड रिमोट सेंसिंग के अंतर्गत आनें वाले इंस्टीट्यूट से लांग और शॉर्ट टर्म पाठ्यक्रम किया जा सकता हैं। पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन जीआईएस ऐंड आरएस, इसकी समय अवधि छ माह है, पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन जीआईएस प्रोग्रामिंग कोर्ष जिसकी समय अवधि चार माह हैं।

अगर आप जीआईएस कर लेते है तो फिर इस फील्ड में कैरियर की बहुत अधिक संभावनाएं होती है। क्योंकि जीआईएस से रीलेटेड कोर्स करने के बाद आपको इस सेक्टर में अनेकों जगहों पर जॉब करने का अवसर मिलता है। इसमे प्राइवेट और गवर्नमेंट दोनो सेक्टर में जॉब के बहुत से अवसर होते हैं जो आप नीचे देख सकते है।

- बिजनेंस ऐप्लिकेशन
- नेंशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी
- नेंचुरल रिसोर्स मैनेंजमेंट
- नेंशनल इन्फॉर्मेटिक सेंटर
- ट्रांसपोर्टेशन मैनेंजमेंट
- अर्बन डेवलॅपमेंट ऑथोरिटी
- सोशियो-इकोनॉमिक डेवलॅपमेंट
- इमर्जेंसी मैनेंजमेंट
- अर्बन डेवलॅपमेंट
- मिलिट्री कमांड
- स्पेस ऐप्लिकेशन सेंटर
- इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन

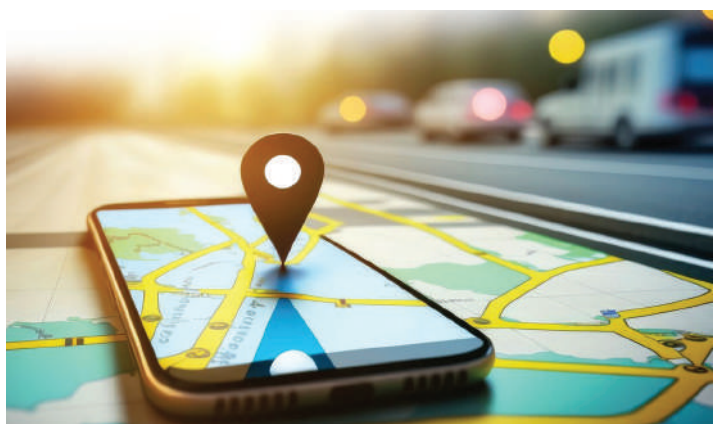

विदेश में जॉब की संभावनाएं

जीआईएस का उपयोग भविष्य में लगभग प्रत्येक क्षेत्र में होनें की संभावना है जैसे ङ्क डिजास्टर मैनेंजमेंट, डेवलॅमेंट ऑथोरिटी आदि। वर्तमान समय में भारत में भी इस क्षेत्र के लिए करियर की बेहतरीन संभावनाएं हैं और विकसित देशों में इस टेक्नोलॉजी का प्रयोग पहले से किया जा रहा हैं, इसलिए वहां डाटा एनालिसिस हेतु इस क्षेत्र से सम्बन्धित स्किल्ड लोगों की आवश्यकता अधिक होती है।

जीआईएस करने के बाद सैलरी

इस क्षेत्र में फ्रेशर को वार्षिक वेतन लगभग एक लाख से लेकर एक लाख बीस हजार रुपये तक प्राप्त होता है, और जैसे-जैसे आपका अनुभव अधिक होगा आपका वेतन भी अधिक हो सकता हैं। आठ से दस वर्ष के कार्य-अनुभव के पश्चात आप सीईओ के पद तक आसानी से पहुंच सकते हैं।

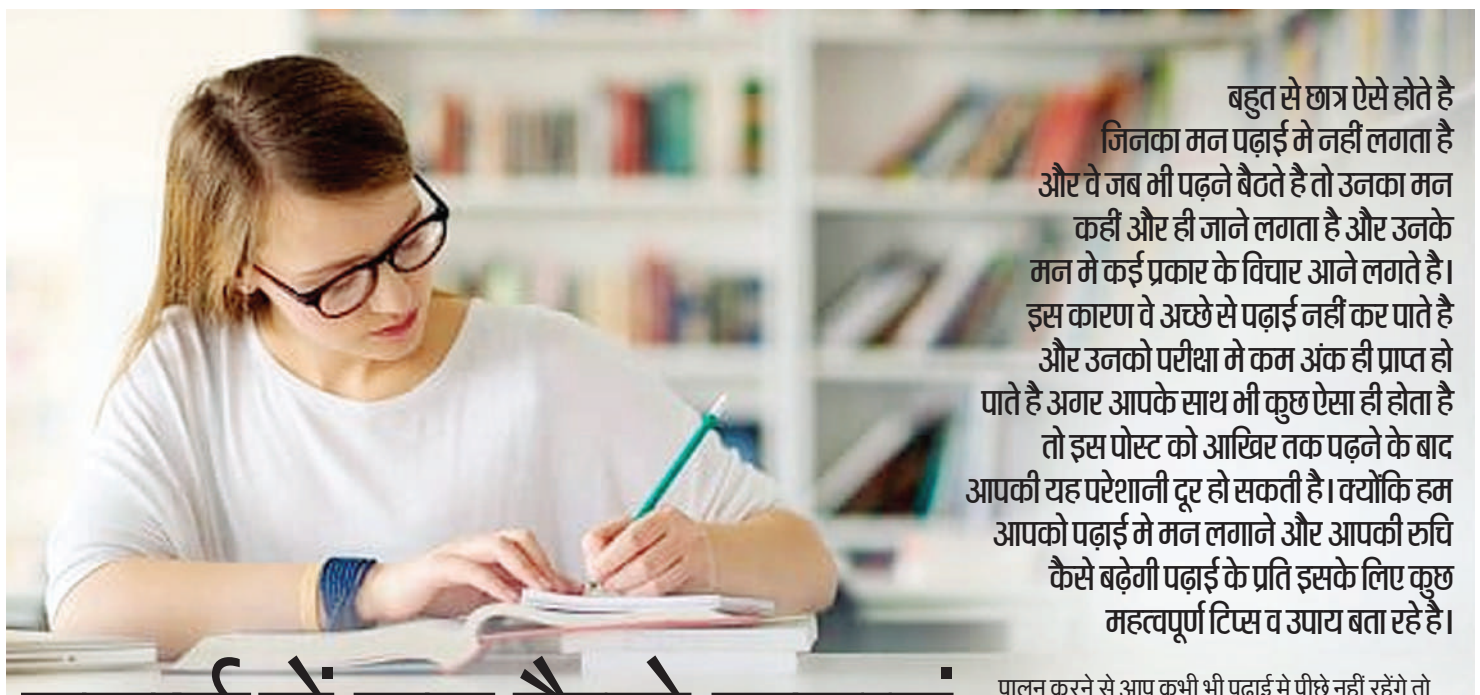

बहुत से छात्र ऐसे होते है जिनका मन पढ़ाई मे नहीं लगता है और वे जब भी पढ़ने बैठते है तो उनका मन कहीं और ही जाने लगता है और उनके मन मे कई प्रकार के विचार आने लगते है। इस कारण वे अच्छे से पढ़ाई नहीं कर पाते है और उनको परीक्षा मे कम अंक ही प्राप्त हो पाते है अगर आपके साथ भी कुछ ऐसा ही होता है तो इस पोस्ट को आखिर तक पढ़ने के बाद आपकी यह परेशानी दूर हो सकती है। क्योंकि हम आपको पढ़ाई मे मन लगाने और आपकी रुचि कैसे बढ़ेगी पढ़ाई के प्रति इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण टिप्स व उपाय बता रहे है।

पढ़ाई में मन कैसे लगाएं

जब भी आप पढ़ाई करने बैठे तो आपको हमेशा के लिए एक टाइम टेबल बनकर तयार कर लेना है और फिर उसके अनुसार ही आपको अपनी पढ़ाई को निरंतर करते रहना चाहिए इससे यह होगा की सामय के अनुसार आपका सबजेक्ट बदलता रहेगा और आपका मन पढ़ाई मे लगा रहेगा इसलिए आपको अच्छी तैयारी के लिए टाइम टेबल के अनुसार ही पढ़ाई करनी अधिक लाभदायक होती है।

पढ़ाई मे अच्छे से ध्यान लगाएं

कुछ छात्र ऐसे होते है जो क्लास मे पढ़ाई के समय ध्यान नहीं देते है और बाद मे उन्हे कोई सवाल पूछा जाता है तो वे कहते है की समझ मे नहीं आया या फिर याद नहीं है तो आपको ऐसा बिलकुल भी नहीं करना है जब टीचर आपको पढ़ाई के लिए प्रेरित करें तो उनके द्वारा कहीं गई बातों को ध्यान से सुने और पढ़ाई मे मन लगाने का प्रयास करें ऐसे निरंतर करने से आपका मन पढ़ाई मे लग जाएगा और आपको पढ़ने की लत लग जाएगी।

नकारात्मक सोच को दूर करें

आपको हमेशा खुद पर पूरा विश्वास करना है की आप कुछ भी कर सकते है सभी विषयो की पढ़ाई करके उन्हे याद भी रख सकते है दोस्तो जो हम सोचते है हम वे सब काम कर सकते है और आप कुछ भी कर सकते है यह वादा आपको अपने आप से करना है और सच्ची मेहनत के साथ पढ़ाई मे मन लगाना है और अपने अंदर के नकारात्मक सोच व विचारो को दूर करके टाइम टेबल के अनुसार पढ़ाई निरंतर करते रहना है।

एकाग्रता बनाए रखे

दुनिया मे जो भी व्यक्ति सफल होते है वे अपनी एकाग्रता के कारण ही होते है इसलिए आप जब भी पढ़ाई करने जाए तो पूरी एकाग्रता के साथ अपने विषय पर ध्यान दे और उस टोपिक को पूरा क्लियर करने का प्रयास करें। पढ़ाई करते समय आपके मन मे और कोइर भी विचार नहीं आना चाहिए आपका पूरा फॉक्स पढ़ाई पर होना चाहिए।

अनुभव का उपयोग करें

अनुभव पढ़ाई मे भी बहुत काम आता है इसलिए आप हमेशा पापने द्वारा व दूसरों के द्वारा की गई गलतियों से सीखते रहे और उन्हे दुवारा ना होने दे। आपकी पुस्तक मे आने वाले चित्रो से आप बहतू कुछ सीख सकते है और आसानी से याद भी कर सकते है। आप अपनी क्लास या फिर किसी भी अच्छे छात्र से प्रेरणा भी ले सकते है और सही तरीके से पढ़ाई कर सकते है और जीवन मे आगे बढ़ सकते है।

पढ़ने का सही तरीका अपनाएं

दोस्तो आपको बता दे की पढ़ाई करने के बहुत से तरीके है लेकिन सबसे सही तरीका जो आपके अंदर आलस को दूर करता है आपका ध्यान पढ़ाई मे अधिक से अधिक लगता है वो है कुर्सी और टेबल पर ही पढ़ाई करनी चाहिए इस तरीको को अपनाते समय आपको थोड़े दिनो तक अलग सा लग सकते है लेकिन जब आप रेगुलर इस प्रकार पढ़ाई करेंगे तो आपकी रुचि अपने आप पढ़ाई के प्रति बढ़ती चली जाएगी और आप पढ़ाई मे होशियार बनते चले जाएंगे।

ऐसे बनाएं पढ़ाई की समय सारणी

आपको हमेशा और रेगुलर अच्छी पढ़ाई के लिए समय सारणी बनानी बहुत जरूरी है और इसका सभी तरीके से पालन करने से आप कभी भी पढ़ाई मे पीछे नहीं रहेंगे तो आइये जानते है पढ़ाई की समय सारणी कैसे बनाए। सभी भी आप अपनी पढ़ाई के लिए समय निर्धारित करें तो आपको सभी विषयो के लिए रोजाना टाइम निकालकर पढ़ाई करना है और आपको पढ़ाई करते समय हर 45 से 01 घंटे के अंदर 5-10 मिनट का ब्रेक भी लेना सही होता है। आप पढ़ाई का वो समय निर्धारिक करें जिस समय आपको कोई और काम के लिए बाध्यता ना हो आप दिन या फिर रात कभी भी पढ़ाई कर सकते है। आपको जैसे भी अच्छा लगे लेकिन आपको अपनी पढ़ाई निरंतर व सभी विषयो की पढ़ाई समय सारणी के अनुसार ही करनी चाहिए।

अनुशासन बनाएं रखे

पढ़ाई को अनुशासित तरीके से करना बहुत जरूरी है पढ़ाई को रोजाना करना बहुत जरूरी है आपको इस प्रकार पढ़ाई करनी है की आपको पढ़ाई करने की आदत हो जाए। पढ़ने के लिए खुद ही प्रेरित बने बिना किसी के कहे ही पढ़ाई को निरंतर करते रहे।

रेस्ट करने का समय निर्धारित करें

दोस्तो ऐसा नहीं है की आप कुछ दिनो के लिए पूरे दिन पढ़ाई करके ही सब कुछ सीख सकते है हा कुछ छात्र ऐसा भी करते है की वे परीक्षा के समय पूरे दिन पढ़ाई करते है और परीक्षा को पास कर लेते है लेकिन ऐसा करने से जीवन मे हमेशा सब कुछ कवर नहीं हो पाता है आपको अपनी पढ़ाई के बीच रेस्ट का भी ध्यान रखना है और निरंतर पढ़ाई करते रहना चाहिए। समय पूरा होने पर आपको फिर से पढ़ाई शुरू करनी चाहिए।

अपने लेवल को चेक करते रहे

आपको अपनी पढ़ाई को सही तरीके से करते रहना है और समय-समय पर अपनी पढ़ाई के स्तर को चेक भी करते रहना है। ताकि आपको अपनी कमी का पता लग सके और आप उसे दूर कर सके। ऐसा करने से आपको पढ़ाई मे अधिक सगलता मिलेगी।

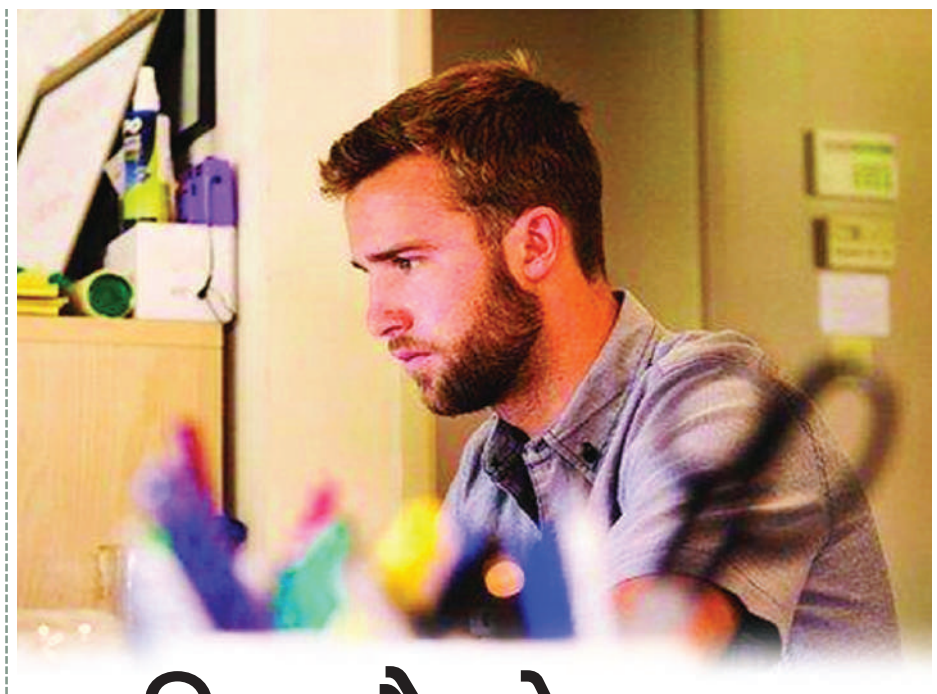

करियर गैप के बाद यूं शुरू करें जॉब की तलाश

ऐसे कई कारण हो सकते हैं जब आपको जॉब से सालभर का गैप लेना पड़े। आपकी प्री या पोस्ट एजुकेशन के कारण या हो सकता है कुछ नया करने के लिए आपने कुछ महीनों का गैप लिया हो। काम और रूटीन की दुनिया में फिर से प्रवेश करना आपके लिए थोड़ा टेंशन का कारण बन सकता है। इसलिए गैप के बाद बिना हिचक और परेशानी के काम शुरू करने के लिए ये टिप्स कारगर रहेंगे।

सबसे पहली चीज जो आपको करनी है वह है सारे विकल्पों पर ध्यान देना। पुराने जॉब में लौट रहे हों, आपके डिग्री से जुड़ा करियर हो, पूर तरह से नया काम करने की कोशिश कर रहे हों, सभी संभावित चयन हैं। कई चीजों के बारे में आपको सोचना होगा इसलिए कुछ गंभीर फैसलों के लिए तैयार रहें। अगर आप इस बात को लेकर श्योर है कि आप क्या चाहते हैं, तो आवेदन भेजने के पहले अच्छी रिसर्च करें ताकि आप इंटरव्यू में बुलाने पर सभी सवालों के जवाब दे पाएं। अगर आप अभी भी श्योर नहीं हैं तो घबराए नहीं। इस स्टेज पर आपका ड्रीम जॉब एक रहस्य हो सकता है इसलिए बड़े डिसीजन के लिए जल्दबाजी नहीं करें। जिन भूमिकाओं को लेकर आपमें जुनून हैं उनकी तलाश करने पर आप खुद को सही जॉब की राह पर ले जा रहे हैं।

काम का अनुभव

अगर आपने पिछले साल कहीं नौकरी नहीं की है तो भी चलेगा। पिछले साल आपने जो भी किया और जो भी स्किल्स आने पाई, उसके बारे में सोचे और जाने कि यह एक व्यक्ति के तौर पर आपको किस तरह सकारात्मक तरीके से प्रतिबिम्बित करता है।

तलाश शुरू करें

भले ही आपने एक साल लाइफ में केयरफ्री अप्रोच रखी हो लेकिन अब आप रूटीन जॉब करना चाहते हैं तो दिन के कुछ घंटे केवल पूरी तरह जॉब तलाश करने पर ही दें। इससे आपका पूरा फोकस, प्रोडक्टिविटी इम्प्रूव होगी और परिणामस्वरूप सफलता मिलेगी। अगर आप आधे मन या जल्दबाजी में जॉब के आवेदन देना शुरू करेंगे तो किसी भी इंडस्ट्री के रिक्रूटर को प्रभावित करने में सफल नहीं होंगे। हम सभी जानते हैं कि सौ जगह जॉब अप्लाई करना और उसके बाद भी रिस्पॉन्स नहीं आना कितना हताश भरा होता है। लेकिन इससे खुद का आत्मविश्वास न डगमगाने दें और हतोत्साह न होएं। जॉब सर्चिंग के दौरान किसी हॉबी में भी मन लाएं। जॉब तलाश करने के साथ सुकून देने वाली एक्टिविटी में शामिल होने से आप यह रास्ता और सरल बना सकते हैं।

अब शुरू करें जॉब की तलाश

अगर आपका सीवी अपडेटेड है, आपने पूरी रिसर्च कर ली है और आपने अपने आप को इसके लिए मेंटली तैयार कर लिया हो तो अगला चरण आपके जॉब के आवेदन देने का है।

ट्रैक करें अपनी करियर ग्रोथ

अगर आप अपने करियर की ऊंचाइयों तक पहुंचना चाहते हैं तो यह एनालाइज करना जरूरी है कि आप कितने समय से काम कर रहे हैं और इस दौरान आपने क्या अचीव किया। करियर ग्रोथ के लिए इन बातों का ध्यान रखें:

सेल्फ अवेयर रहें

सबको अपनी स्ट्रेंथ और वीकनेस का अंदाजा होता है इसलिए समय-समय पर खुद को एनालाइज करते रहें। अपने करियर में आप आगे बढ़ रहे हैं या नहीं, इस सवाल का जवाब जरूर तलाशें। अपनी वीकनेसेज को एनालाइज करके उन्हें दूर करने की कोशिश करें। वर्तमान जॉब में ऐसा करना ज्यादा आसान होता है, ऐसे में यह मौका न गंवाएं।

खुलकर राय रखें

दूसरों से बात करके यह जानने की कोशिश करें कि आपकी इंडस्ट्री से ताल्लुक रखने वाले और लोग कैसे आगे बढ़ते हैं। अपनी सोच का दायरा बढ़ाएं, अपनी इंडस्ट्री के लोगों से मेलजोल बढ़ाएं, अपनी फील्ड के सफल लोगों से खुद की तुलना करें। इससे आप जान सकेंगे कि आपके कदम करियर की बुलंदियों की तरफ आगे बढ़ रहे हैं या नहीं।

खुद को एक्सप्लोर करें

ज्यादातर लोग सिर्फ अपनी पसंदीदा कंपनी में जॉब करके ही खुद को संतुष्ट कर लेते हैं। यही कारण है कि ये बेहतरीन एम्प्लॉई तो बन जाते हैं, लेकिन अपनी फील्ड के सफल लोगों में उनकी गिनती नहीं होती। जॉब पाना ही सबकुछ नहीं होता। खुद को हमेशा एक्सप्लोर करते रहें। अपनी फील्ड से जुड़े आयोजनों को मिस न करें।

अच्छा है वॉलन्टियरिंग

वॉलन्टियर एक ऐसा तरीका है जिससे आपको नए अनुभव तो मिलते ही हैं, अलग-अलग तरह के काम करके खुद के अंदर छिपी स्कल्स को भी जानने का मौका मिलता है। कंपनी के अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में खुद को इंडल्ज करने की कोशिश करें।

सपने और जुनून को जिंदा रखें

लोग अपने सपनों और जुनून के हिसाब से फील्ड चुनते हैं और उसमें काम भी करते हैं। लेकिन जल्द ही ऑफिस स्ट्रेस और गॉसिप में फंसकर अपनी ग्रोथ खुद ही डंप कर लेते हैं। सपने हमेशा देखें क्योंकि वो आपको अहसास दिलाएंगे कि आपने जो सोचा, वो पाया या नहीं।

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारत का सामना श्रीलंका से, प्लेइंग 11 में हो सकता है बदलाव

मुंबई- बारह बरस पहले इसी मैदान पर खिताब जीतकर एक अरब देशवासियों को अप्रैल में दीवाली मनाने का मौका देने वाली भारतीय टीम एक बार फिर बृहस्पतिवार को उसी प्रतिद्वंद्वी श्रीलंका से विश्व कप का लीग मैच खेलेगी तो इस बार मुकाबला निहायत ही बेमेल होगा। विश्व कप 2011 कर फाइनल जहां बराबरी का मुकाबला था, वहीं इस बार की टक्कर बेमेल होगी। तीसरे खिताब की ओर अग्रसर भारतीय टीम जबर्दस्त फॉर्म में है तो श्रीलंका हार दर हार से बेजार है।

लगातार छह मैच जीत चुकी भारतीय टीम को सही मायने में अब तक कोई चुनौती नहीं मिली है। भारत ने हर विभाग में एक चैम्पियन की तरह प्रदर्शन किया है। आत्मविश्वास के उफान का कारण यह भी है कि कठिन हालात से भारत ने वापसी करके जीत दर्ज की है मसलन चेन्नई में आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच रन पर तीन विकेट गंवाना हो या इंग्लैंड के खिलाफ लखनऊ में नौ विकेट पर 229 रन के साधारण स्कोर के बावजूद जीत दर्ज करना हो। इसने विरोधी टीमों के लिए भी खतरे की घंटी बजा दी है कि रोहित शर्मा की टीम का सामना करने के लिए उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

हार्दिक पांड्या की गैर मौजूदगी में मोहम्मद शमी को मौका दिया गया जिन्होंने दो मैचों में 9 विकेट लेकर चयनकर्ताओं के लिए सुखद सिरदर्द पैदा कर दिया है। कप्तान रोहित और कोच राहुल द्रविड़ को पता है कि शमी को आगे के बड़े मुकाबलों के लिये सुरक्षित रखना होगा। पांड्या की वापसी को लेकर अभी कोई समाचार नहीं है लेकिन भारत की युवा ब्रिगेड का प्रदर्शन जरूर चिंता का सबब है।

लगातार अच्छा प्रदर्शन करके विश्व कप में आए शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर अभी तक कोई बड़ी पारी नहीं खेल सके हैं। गिल डेंगू के कारण पहले दो मैच नहीं खेल सके थे और वापसी के बाद भी सिर्फ एक अर्धशतक जमा सके हैं। इस साल 24 वनडे में पांच शतक और छह अर्धशतक समेत 1334 रन बना चुके गिल को अपना विकेट फेंकने से बचना होगा। शॉर्ट गेंदों के खिलाफ उनकी कमजोरी जाहिर है जबकि अय्यर भी गेंदबाजों पर दबाव नहीं बना सके हैं। अय्यर ने छह मैचों में सिर्फ एक अर्धशतक बनाया है। कई मौकों पर वह फिनिशर की भूमिका निभाने में नाकाम रहे। अब अपने घरेलू मैदान पर पिछली नाकामियों को भुलाकर उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

रोहित, सूर्यकुमार यादव और शार्दुल ठाकुर का भी यह घरेलू मैदान है। इस विश्व कप में 66.33 की औसत से भारत के लिए सर्वाधिक 398 रन बना चुके रोहित अपने बल्ले से रनों की बौछार करके घरेलू दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करना चाहेंगे। वहीं क्वालीफिकेशन दौर में शानदार प्रदर्शन करने वाली श्रीलंकाई टीम विश्व कप में नाकाम रही। प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों और अनुपलब्धता ने उसकी परेशानी और बढा दी है।

श्रीलंका के लिए सदीरा समरविक्रमा ने छह मैचों में सर्वाधिक 331 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक शामिल है। पाथुम निसांका ने भी इस साल एक हजार से अधिक वनडे रन बनाए हैं। विश्व कप में उन्होंने लगातार चार अर्धशतक जड़े हैं। कप्तान कुसल मेंडिस और एंजेलो मैथ्यूज के रूप में श्रीलंका के पास मैच विनर खिलाड़ी हैं। श्रीलंका के गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदश्रन किया है लेकिन अनुभव के अभाव में भारतीय बल्लेबाज उनके लिए बड़ी चुनौती साबित होंगे।

संभावित प्लेइंग 11

भारत -रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर/ईशान किशन, केएल राहुल (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जड़ेजा, कुलदीप यादव, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज

श्रीलंका - पथुम निसांका, दिमुथ करुणारत्ने, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर/कप्तान), सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असालंका, धनंजय डी सिल्वा, एंजेलो मैथ्यूज, महीश थीक्षाना, कासुन राजिथा, दुष्मंथा चमीरा, दिलशान मदुशंका।

पैन इंडिया फिल्म 'थंगालान' का रोंगटे खड़े कर देने वाला टीज़र हुआ आउट, चियान विक्रम स्टारर यह फिल्म 26 जनवरी, 2024 को दुनिया भर में होगी रिलीज

इन दिनों पैन इंडिया फिल्में देश भर में धूम मचा रही हैं। हाल के कुछ समय में हमने देखा है कि पैन-इंडियन सिनेमा कई हाई वॉल्यूम कॉन्टेंट के साथ उदाहरण सेट कर रहा हैं, और जिसे जारी रखते हुए अब स्टूडियो ग्रीन प्रोडक्शन हाउस के प्रमुख निर्माता के.ई. ज्ञानवेल राजा %थंगालान% के नाम से एक अहम और रियल लाइफ बेस्ड स्टोरी ला रहे हैं, जो केजीएफ के लोगों के जीवन पर आधारित है। इस पीरियड ड्रामा फिल्म में भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े नामों में से एक, चियान विक्रम शामिल हैं, और इसे बेहतरीन स्टोरीटेलर पा रंजीत का समर्थन हासिल है। इसकी घोषणा के बाद से, फिल्म जनता के बीच एक हॉट टॉपिक बनी हुई है, और अब इस चर्चा को बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने फिल्म का एक टीज़र जारी किया है।

फिल्म का टीज़र हमें निर्माताओं द्वारा बनाई गई क्रेजी दुनिया के बारे में ले जाता है। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर पोन्नियिन सेलवन 1 और 2 के बाद चियान विक्रम की पैन इंडिया शैली में वापसी का प्रतीक है, और मुख्य अभिनेता के किरदार में उनका समर्पण, प्रतिबद्धता और बदलाव निश्चित रूप से दिखाई देता है। टीज़र में कुछ खून चूसने वाले पल और अभिनेताओं के रस्टिक लुक को दिखाया गया है जो लोगों को हैरान कर देगा। फिल्म में मालविका मोहनन, हॉलीवुड अभिनेता डैनियल कैल्टागिरोन और तमिल उद्योग के कुछ प्रमुख नाम भी शामिल हैं। इस टीज़र में हर वह एलिमेंट है जो आपका ध्यान आकर्षित करेगा, बजट से लेकर कला तक और रोंगटे खड़े कर देने वाली कहानी और स्टोरीलाइन-कैरेक्टराइजेशन तक। यह फिल्म निश्चित रूप से भारतीय सिनेमा को ग्लोबल लेवल पर ले जाएगी।

बता दें, थंगालान 26 जनवरी, 2024 को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में दुनिया भर में रिलीज़ होगी। इस फिल्म का संगीत जीवी प्रकाश कुमार द्वारा तैयार किया गया हैं। इसके अलावा, निर्माता दर्शकों के लिए एक पैन-वर्ल्ड फिल्म, कंगुवा भी ला रहे हैं, जिसमें सूर्या शिवकुमार और दिशा पटानी मुख्य भूमिका में हैं। यह मैग्नम ओपस 2024 में रिलीज़ होगी।

जब मोहम्मद कैफ को इंग्लैड के कप्तान ने समझा बस ड्राइवर, पूर्व क्रिकेटर ने सुनाया किस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी

मौजूदा एकदिवसीय विश्व कप में भारत बनाम इंग्लैंड मुकाबले के दौरान भारत के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने एक घटना को याद किया जहां इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने उन्हें बस ड्राइवर कहा था। कैफ मैच के कमेंट्री पैनल का हिस्सा थे, ने दर्शकों के साथ घटना साझा की। यह मैच 29 अक्टूबर रविवार को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था जिसमें भारत ने लगातार छठी जीत दर्ज की थी।

यह पहली बार नहीं था जब कैफ ने इस बारे में बात की थी। यह घटना 2002 नेटवेस्ट ट्रॉफी के फाइनल के दौरान घटी। इस मैच के दौरान इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कैफ की खिंचाई करते हुए कहा, %मुझे लगता है कि उन्हें बस चलानी चाहिए, मुझे लगता है कि वह तेंदुलकर को बस में घुमाते हैं।% हुसैन ने पहले इस घटना के बारे में खुलासा किया था। कैफ ने विश्व कप 2023 में भारत बनाम इंग्लैंड मैच पर कमेंट्री करते हुए इस घटना को याद किया।

गौर हो कि भारत ने 326 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए खुद को मुश्किल स्थिति में पाया। सौरव गांगुली, वीरेंद्र सहवाग, सचिन तेंदुलकर, दिनेश मोंगिया और राहुल द्रविड़ सहित अपने शीर्ष पांच बल्लेबाजों को खोने के बाद भारत की संभावनाएं धूमिल लग रही थीं। हालांकि मोहम्मद कैफ ने चुनौती की ओर कदम बढ़ाया और बीच में बल्लेबाजी करने आए।

हमें इसी जीत का इंतजार था, अब नजरें सेमीफाइनल में जगह बनाने पर: फखर जमां

कोलकाता, एजेंसी

बांग्लादेश के खिलाफ 7 विकेट की जीत से निश्चित रूप से पाकिस्तानी टीम का मनोबल बढ़ा होगा और सलामी बल्लेबाज फखर जमां ने मंगलवार को कहा कि वे सारी 'अगर-मगर के बावजूद सेमीफाइनल में जगह बनाने पर ध्यान लगाए हैं। पाकिस्तान ने तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की अगुआई वाले तेज गेंदबाजी आक्रमण की बदौलत बांग्लादेश को 204 रन के स्कोर पर समेटकर 32.3 ओवर में जीत हासिल कर अपने नेट रन रेट में इजाफा किया।

जमां ने मैच के बाद कहा कि विश्व कप में हर जीत आपका आत्मविश्वास बढ़ाती है। हमें भी इस जीत का इंतजार था। उन्होंने कहा कि हमने अपनी लय हासिल करनी शुरु कर दी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हमने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में वापसी की। उन्होंने कहा कि हमारा संयोजन सही बैठ रहा है। मैं आठ साल से इस ड्रेसिंग रूम का हिस्सा रहा हूं और यह और मजबूत होगा। जमां ने 81 रन की अर्धशतकीय पारी खेली और अब्दुल्ला शफीक (68 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 128 रन की भागीदारी निभाई जिससे दोनों तेजी से जीत की ओर बढ़ना चाहते थे। जमां ने कहा कि हम इस समय जिस स्थिति में हैं, हम 29-30 ओवर में लक्ष्य का पीछा करना चाहते हैं। 'अगर-मगर तो रहेगी लेकिन हमारा लक्ष्य सेमीफाइनल है और हम इसके लिए ही प्रयास करेंगे। वहीं, पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम ने अपनी टीम के हरफनमौला प्रदर्शन की तारीफ की और उम्मीद जतायी कि इस जीत से अंतिम दो मैचों से पहले उनका मनोबल बढ़ेगा। आजम ने कहा कि खिलाड़ियों को श्रेय जाता है, जिस तरह से उन्होंने तीनों विभागों में प्रदर्शन किया, यह शानदार रहा। हम जानते हैं कि फखर जब क्रीज पर जम जाता है तो वह कैसा खेलता है। उसे फिर से ऐसा करते हुए देखना शानदार रहा। उन्होंने कहा कि हम अपने बचे हुए मैच जीतने की कोशिश करेंगे और देखेंगे कि हम कहां पहुंचते हैं।

शाहिद अफरीदी हमें हमेशा टिप्स देते हैं, सबसे तेज 100 विकेट पूरे करने के बाद बोले शाहीन

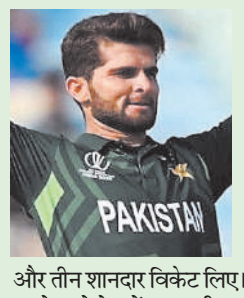

लगातार हार के बाद बाबर आजम की अगुवाई वाला पाकिस्तान आखिरकार वनडे विश्व कप 2023 में जीत की राह पर लौटने में कामयाब रहा। प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में लगातार चार मैच हारने के बाद पाकिस्तान ने विश्व कप के 31वें मैच में बांग्लादेश से मुकाबला किया। शाकिब अल हसन की अगुवाई वाली टीम से भिड़ते हुए पाकिस्तान ने 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 7 विकेट से आसान जीत दर्ज की। यह ध्यान देने योग्य है कि शीर्ष तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी अपनी टीम के लिए प्रभावशाली थे और यही सबसे बड़ा कारण था कि पाकिस्तान ने गेम जीत लिया।

पहली पारी में 9 ओवर गेंदबाजी करते हुए अफरीदी ने सिर्फ 23 रन दिए और तीन शानदार विकेट लिए। इसके अलावा वह अपने 51वें मैच में ही वनडे में सबसे तेज 100 विकेट पूरे करने वाले तेज गेंदबाज भी बन गए। उसी के बारे में बोलते हुए अफरीदी ने कहा कि रिकॉर्ड टूटने के लिए ही होते हैं और उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी को दिया। शाहीन ने कहा, रिकॉर्ड टूटने के लिए ही होते हैं और यह खुशी का मौका है कि हमने पाकिस्तान के लिए रिकॉर्ड बनाए हैं। शाहिद अफरीदी हमेशा हमें टिप्स देते हैं, वह मेरे हीरो हैं। मेरी कोशिश उनकी तरह क्रिकेट खेलने की है। इसके अलावा शाहीन अफरीदी ने वनडे विश्व कप 2023 में पाकिस्तान के लक्ष्य के बारे में भी बात की।

कटरीना ने जोया के रोल को बताया अपने करियर का पसंदीदा किरदार

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान अपनी आगामी फिल्म टाइगर 3 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। सलमान खान हाल ही में, अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म टाइगर 3 का ट्रेलर लॉन्च होने के बाद से ही फैंस के बीच खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म में कटरीना भी मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। अब हाल ही में, कटरीना ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की है और जोया की भूमिका को अहम बताया है। टाइगर फ्रेंचाइजी में जोया का किरदार हमेशा से ही फिल्म का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। निर्माताओं ने जोया के चरित्र को टाइगर के चरित्र से कम नहीं रखा है, बल्कि एजेंट के रूप कटरीना फिल्म में कई खतरनाक स्टंट्स करती नजर आती हैं। अब हाल ही में, एक इंटरव्यू कटरीना ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की है। साथ ही जोया की भूमिका को अपने करियर की मुख्य भूमिकाओं में गिनती हैं।

कटरीना ने दो महीनों तक की थी भूमिका में ढलने की तैयारी

कटरीना ने कहा, टाइगर 3 फिल्म दिखाती है कि जब अपने परिवार या देश या मानवता को बचाने की बात आती है तो ऐसा कुछ भी नहीं है, जो एक महिला नहीं कर सकती। जोया जैसा किरदार लोगों को यह बताने के लिए महत्वपूर्ण और आवश्यक है कि लड़कियां पालन-पोषण करने वाली होने के साथ-साथ रक्षक भी हो सकती हैं। जोया मेरे करियर की सबसे पसंदीदा भूमिकाओं में से एक है। बात करें फिल्म टाइगर 3 की तो सलमान अपनी पिछली फिल्म किसी का भाई किसी की जान के बाद एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए हाजिर हैं। अभिनेता के लगातार फ्लॉप फिल्मों के बाद अब देखना है कि यह फिल्म सिनेमाघरों में कैसा प्रदर्शन कर पाएगी।

कृति ने महिला और पुरुष प्रधान फिल्मों को लेकर दी अपनी राय

बॉलीवुड इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्रियों में एक नाम कृति सेनन का भी हैं। अभिनेत्री गणपत-ए हीरो इज बॉर्न फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में, 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में कृति सेनन को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस बीच, अभिनेत्री ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में पुरुष और महिला प्रधान फिल्मों को लेकर अपनी राय पेश की है, जिसमें उन्होंने कहा कि इन फिल्मों को अलग तरीके से बनाया जाता है ताकि वे अच्छी कमाई कर सकें। पुरुष प्रधान फिल्मों पर दी यह राय हाल ही में, एक इंटरव्यू में कृति सेनन ने बताया कि कैसे पुरुष प्रधान फिल्मों को अलग ढंग से पेश किया जाता है ताकि वे बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर सकें। अभिनेत्री ने कहा, यह एक तरह का चक्र है। इन फिल्मों को बड़े बजट के साथ जीवन से भी बड़े पैमाने के रूप में तैयार किया जाता है। अंत में इन फिल्मों की कमाई अच्छी होती है और मुझे लगता है कि किसी को वास्तव में आगे आने की जरूरत है।

महिला प्रधान फिल्मों में मेकर्स नहीं लेते जोखिम

अभिनेत्री ने महिला प्रधान फिल्म की बात करते हुए कहा कि इन फिल्मों को बनाने को जोखिम मेकर्स नहीं लेते हैं। कृति सेनन ने कहा, अगर इन फिल्मों को भी पुरुष प्रधान फिल्मों की तरह पेश किया जाए तो हम इस बात से डरते हैं कि यह क्या कमाई करेगी या क्या नहीं करेगी।

महिला केंद्रित फिल्मों के फ्लॉप होने पर कैसा महसूस करती हैं प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल के लिए भारत में हैं। अभिनेत्री इस साल के फेस्टिवल की चेयरपर्सन हैं। अभिनेत्री ने भूमि पेडनेकर के साथ मिलकर महोत्सव में एक मास्टरक्लास आयोजित की। इस दौरान उन्होंने बताया कि वह एक महिला प्रधान फिल्म के असफल होने इससे कैसे निपटती हैं। महिला केंद्रित फिल्मों पर कही यह बात जब भूमि पेडनेकर ने पूछा कि वह एक महिला प्रधान फिल्म की विफलता से कैसे निपटती हैं तो प्रियंका चोपड़ा ने कहा, जब आपके पास एक महिला प्रधान फिल्म होती है और आप इसकी सफलता की उम्मीद कर रहे होते हैं तो बहुत दबाव होता है, लेकिन यह बहुत मुश्किल होता है कि कोई महिला प्रधान फिल्म अच्छा प्रदर्शन ना करे। अगर ऐसा होता है तो मुझे सभी महिलाओं की ओर से सामूहिक विफलता महसूस होती है। मुझे ऐसा लगता है कि हम सभी महिलाओं को कुछ कदम पीछे चले गए। मैंने महिलाओं को कुछ कदम पीछे कर दिया।

महिलाओं को पास होते हैं कम मौके

उन्होंने आगे कहा, यह काम करना ही होगा, क्योंकि हममें से कुछ लोग ही हैं, जिन्हें ऐसा करने का अवसर मिलता है, और हमें इसे अच्छी तरह से करना होगा। चाहे वह कोई फिल्म निर्माता, अभिनेत्री, लेखिका या कोई भी हो आपको बस लगता है... मैं नारी जाति को निराश नहीं होने दूंगी क्योंकि हमारे पास बहुत कम मौके हैं।

द लेडीकिलर में पहली बार स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे अर्जुन और भूमि

अजय बहल के निर्देशन में बनी अभिनेता अर्जुन कपूर और अभिनेत्री भूमि पेडनेकर की आने वाली फिल्म द लेडीकिलर का दमदार ट्रेलर लॉन्च हो गया है। फिल्म एक छोटे शहर के प्लेबॉय की कहानी बताती है, जो एक खतरनाक और विनाशकारी महिला के प्यार में पड़ जाता है और साथ में वे एक खतरनाक यात्रा पर निकलते हैं। फिल्म पर लंबे समय से काम कर रहा है। बीते कुछ दिनों पहले खबरें आई थीं कि फिल्म की शूटिंग रोक दी गई है। हालांकि, मेकर्स ने इन अफवाहों का खंडन किया था। वहीं अब निर्माताओं ने अचानक फिल्म का ट्रेलर जारी कर सभी को चौंका दिया है। ट्रेलर के साथ फिल्म की रिलीज की तारीख का भी खुलासा किया गया है। द लेडीकिलर एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जो तीन नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म में अर्जुन और भूमि पहले बार स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे। अर्जुन कपूर ने द लेडीकिलर को भावनात्मक रूप से उनकी सबसे अधिक मांग वाली फिल्म बताया। उन्होंने कहा था, लेडीकिलर कुछ और है। मैंने उस फिल्म को बहुत कुछ दिया है। मानसिक और भावनात्मक रूप से यह फिल्म भूमि और मेरे लिए खास रही है। यह एक प्रेम कहानी के रूप में बहुत वास्तविक है, इसलिए उसके बाद मैं छुट्टियों पर चला गया। मैंने उस फिल्म के लिए लगभग 45 दिनों तक शूटिंग की और ब्रेक पर चला गया। मुझे उस जगह से बाहर निकलने की जरूरत थी।

दुनिया के 73 करोड़ लोगों को बिजली देने की तैयारी, रिन्यूएबल एनर्जी के माध्यम से मिलेगी यह सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल सोलर एलायंस (आईएसए) एसेंबली के अध्यक्ष व बिजली मंत्री आर के सिंह ने कहा कि दुनिया में 73.3 करोड़ लोग बिजली की सुविधा से वंचित है और इन लोगों को रिन्यूएबल एनर्जी के माध्यम से बिजली मुहैया कराना आईएसए अपना ध्येय मानता है। उन्होंने कहा कि रिन्यूएबल एनर्जी में सोलर सबसे बेहतर माध्यम है क्योंकि यह मौसम व दैनिक घंटे दोनों ही लिहाज से लंबे समय के लिए उपलब्ध होता है।

नई दिल्ली में आयोजित आईएसए के छठे सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि रिन्यूएबल बिजली में वर्ष 2030

तक दुनिया के कुल बिजली उत्पादन में अपनी हिस्सेदारी को 65 प्रतिशत तक ले जाने की क्षमता है और वर्ष 2050 तक इस हिस्सेदारी को 90 प्रतिशत तक ले जाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अभी दुनिया की 80 प्रतिशत आबादी उन देशों में रहती है जो बिजली के लिए जीवाश्म ईंधन के आयात पर निर्भर है। सिंह ने बताया कि आईएसए ने दुनिया भर में सोलर परियोजनाओं की स्थापना के लिए व्याब्लिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) को परियोजना राशि के 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने का फैसला किया है। वीजीएफ के तहत सोलर परियोजना की स्थापना के लिए अधिकतम 1.5 लाख डालर तक का अनुदान आईएसए देता है।

अनुदान राशि को बढ़ाने के फैसले से अफ्रीकी देशों में सोलर को लेकर होने वाले निवेश में बढ़ोतरी होगी। अफ्रीका के कई देशों में आईएसए के फंड से कई सोलर परियोजनाओं की स्थापना हो रही है। सिंह ने कहा कि आईएसए दुनिया को जीवाश्म ईंधन से स्वच्छ ईंधन पर शिफ्ट करने में मदद के साथ बिजली से वंचित लोगों को बिजली भी मुहैया करा रहा है।

अफजाल अंसारी की दोषसिद्धि पर रोक की मांग पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सुरक्षित, कोर्ट में राहुल गांधी केस का दिया हवाला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के गाजीपुर के पूर्व सांसद अफजाल अंसारी की दोषसिद्धि पर रोक लगाने की मांग पर सभी पक्षों की बहस सुनकर मंगलवार (31 अक्टूबर) को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। निचली अदालत से गैंगस्टर एक्ट में चार साल के कारावास की सजा होने के बाद अफजाल अंसारी अयोग्य हो गए और उनकी संसद सदस्यता समाप्त हो गई है।

अफजाल अंसारी बाहुबली पूर्व सांसद मुख्तार अंसारी के भाई हैं। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अफजाल अंसारी की सजा पर तो अंतरिम रोक लगा दी थी, लेकिन दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद अफजाल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर दोषसिद्धि पर रोक लगाने और सांसद सदस्यता

बहाल करने की मांग की है।

मंगलवार को जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने अफजाल अंसारी और उत्तर प्रदेश सरकार की दलीलें सुनने के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। इसके पहले अफजाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दोषसिद्धि पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा कि निचली अदालत ने अफजाल को गैंगस्टर एक्ट में दोषी ठहराते हुए चार साल के कारावास की सजा सुनाई है। सजा के बाद अफजाल संसद सदस्यता के लिए अयोग्य हो गये हैं। चार साल की सजा और उसके बाद छह साल की अयोग्यता इस तरह वह दस वर्ष के लिए अयोग्य हुए हैं। अगर कोर्ट ने उनकी दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगाई तो उन्हें न भरपाई होने वाला नुकसान होगा क्योंकि न तो उनके क्षेत्र का संसद में प्रतिनिधित्व हो पाएगा और न ही वह अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव लड़ पाएंगे।

सिंघवी ने कहा कि अभी उनकी अपील लंबित है, उन्हें पूरी उम्मीद है कि अपील में उनके हक में फैसला आएगा। यह भी कहा कि सीबीआई के जिस केस के आधार पर उन पर गैंगस्टर एक्ट लगाया गया था उस मूल मामले में तो वे बरी हो चुके हैं, लेकिन गैंगस्टर एक्ट में उन्हें दोषी ठहराया गया है। सिंघवी ने अपनी दलीलों के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट के राहुल गांधी के मामले में दिए फैसले का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि अगर उनकी दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगाई गई तो जिस क्षेत्र से वह सांसद हैं उसका संसद में प्रतिनिधित्व नहीं हो पाएगा। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश एडीशनल सालिसिटर जनरल ने अफजाल अंसारी की याचिका का जोरदार विरोध किया। उन्होंने कहा गैंगस्टर एक्ट में सजा होना किसी और मामले पर आधारित नहीं है, बल्कि यह एक स्वतंत्र मामला है। एडीशनल सालिसिटर जनरल ने कहा कि कानून साफ कहता है कि अगर किसी व्यक्ति को दो वर्ष या उससे अधिक के कारावास की सजा होती है तो वह सदस्यता से अयोग्य हो जाएगा। उन्होंने अपनी दलील के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट के रविकांत पाटिल और लोकप्रहरी मामलों में दिये फैसले का हवाला दिया।

पति के सामने पत्नी को मारा थप्पड़, दोनों ने काटा गला; नोएडा के पॉश इलाके में सुपरवाइजर का मर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। नोएडा सेक्टर-40 में सुपरवाइजर की हत्या की वारदात का पुलिस ने मंगलवार को खुलासा कर दिया। मामले में शादीशुदा प्रेमिका समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से मृतक का मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद किए। सुपरवाइजर की शादीशुदा प्रेमिका और उसके पति ने ही हत्या की साजिश रची थी। वारदात के दौरान प्रेमिका ने भी सुपरवाइजर का गला रेता था। डीसीपी हरीश चंदर ने बताया कि सोमवार को जनता फ्लैट में 55 वर्षीय शशि शर्मा का शव मिला था। शशि शर्मा की गला रेतकर निर्ममता से हत्या की गई थी। जांच में पता चला कि शशि शर्मा मूलरूप से बुलंदशहर के गांव लालनेर का निवासी थे। वे नोएडा प्राधिकरण में कार्यरत ठेकेदार के यहां सुपरवाइजर थे। वह पिछले दो वर्षों से सेक्टर 40 स्थित जनता फ्लैट में अकेले रह रहे थे। सोमवार को सेक्टर 82 में रहने वाला उनका भतीजा धर्मेंद्र शर्मा उनके मकान पर पहुंचा, तब उनकी हत्या की जानकारी मिली।

पुलिस को पूछताछ में स्थानीय लोगों ने बताया कि सुपरवाइजर के फ्लैट के सामने स्थित पार्क में महिला समेत तीन लोग उससे मिलने आए थे। किसी बात को लेकर चारों की पार्क में कहासुनी हुई। सुपरवाइजर अंतिम बार उन्हीं तीनों के साथ देखा गया था। संदेह के आधार पर पुलिस ने सेक्टर-62 में रहने वाले भरत चौहान,उनकी पत्नी सीमा चौहान और राजा तिवारी से पूछताछ की। घंटों तक तीनों पुलिस को गुमराह करते रहे। अंत में तीनों ने स्वीकार किया कि हत्या उन्हीं तीनों ने मिलकर सुपरवाइजर की हत्या की है।

एसीपी रजनीश वर्मा के मुताबिक मुख्य आरोपी भरत चौहान ने पूछताछ के दौरान बताया कि वह और शशि शर्मा दोनों एक ठेकेदार के यहां काम करते थे। इस कारण दोनों के बीच दोस्ती थी और घर आना-जाना था। सीमा सेक्टर-62 में चाय का स्टॉल लगाती थी। शशि भी पहले वहीं रहता था। इसी दौरान सीमा और शशि एक दूसरे के नजदीक आए। एक बार दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देखने के बाद जब भरत चौहान ने विरोध किया तो शशि शर्मा ने अपना ठिकाना बदल दिया और सेक्टर-40 में आकर रहने लगा। इसके बावजूद शशि शर्मा उसकी पत्नी सीमा चौहान से लगातार फोन पर बात करता रहता था। एक दिन भरत को पत्नी के मोबाइल फोन में रिकॉर्डिंग मिली, जिसमें शशि शर्मा उसकी पत्नी सीमा चौहान से बात कर रहा था। यह बातें काफी आपत्तिजनक थीं। भरत चौहान सोमवार को अपनी पत्नी सीमा चौहान तथा जानकार राजा तिवारी को साथ लेकर शशि शर्मा को समझाने के लिए उसके मकान पर पहुंचे। भरत चौहान के मुताबिक उसने जब शशि शर्मा से अपनी पत्नी से दूर रहने को कहा तो वह भड़क उठा और उसने सीमा चौहान पर हाथ उठा दिया। इस बात से गुस्सा कर तीनों ने मिलकर उसका चाकू से गला रेत दिया।

आम्रपाली के घर खरीदारों को बड़ी राहत! नोएडा, ग्रेटर नोएडा में सभी रुकी हुई आवासीय परियोजनाएं 2025 तक होगी पूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनबीसीसी ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आम्रपाली समूह की रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं में अब तक लगभग 13,500 फ्लैट का निर्माण पूरा कर लिया है। मार्च, 2025 तक इन परियोजनाओं में बाकी लगभग 25,000 फ्लैट का निर्माण भी पूरा कर लिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के माध्यम से आम्रपाली की रुकी हुई परियोजनाओं को पूरा किया जा रहा है। इसके लिए एक अलग इकाई आम्रपाली स्टाल्ड प्रोजेक्ट्स इन्वेस्टमेंट रिकंस्ट्रक्शन इस्टैबिलिसमेंट (एस्पायर) का गठन किया गया है। एनबीसीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक केपी महादेवस्वामी ने कहा, एनबीसीसी के अनुसार 25 आवास परियोजनाओं में कुल 46,575 अपार्टमेंट बनने थे। इनमें से 8,416 इकाइयों पर जुलाई, 2019 में न्यायालय का फैसला आने से पहले ही घर खरीदारों का कब्जा था। एक परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के रूप में एनबीसीसी को बाकी 38,159 इकाइयों और पहले सौंपे जा चुके फ्लैटों के लिए सामान्य सुविधाओं का निर्माण करना था। एनबीसीसी ने करीब 5,512.10 करोड़ रुपये का काम सितंबर, 2023 तक पूरा कर लिया और इस साल 23 अक्टूबर तक ग्राहकों से उसे 5,229.60 करोड़ रुपये मिले। एसबीआई कैप वेंचर्स लिमिटेड ने छह परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 650 करोड़ रुपये के वित्तपोषण को मंजूरी दी है। इसके अलावा सात बैंकों - बैंक आफ बड़ौदा (लीड बैंक), इंडियन बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, यूको बैंक, बैंक आफ इंडिया और पंजाब एंड सिंध बैंक के एक गठजोड़ ने भी 1,500 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

मटन-चिकन के लिए जाना होगा दूर, मीट की दुकानों के लिए दिल्ली में नए नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली वालों को अब मटन या चिकन खरीदने के लिए कुछ कदम अतिरिक्त चलना पड़ सकता है। ऐसा म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ दिल्ली (एमसीडी) की ओर से पास किए गए नए प्रस्ताव की वजह से होगा। एमसीडी सदन में मंगलवार को मीट की दुकानों के लिए नई नीति को मंजूरी दी गई। इसके तहत मांस की दुकान और धार्मिक स्थल के बीच न्यूनतम 150 मीटर की दूरी होनी चाहिए। हालांकि, मीट कारोबारियों ने इस फैसले का विरोध किया है और कोर्ट तक जाने की बात कही है। नई नीति के मुताबिक, मीट की दुकान और किसी धार्मिक स्थल या श्मशान घाट के बीच की दूरी 150 मीटर से कम नहीं हो सकती है। एमसीडी ने यह भी कहा है कि तब यह दूरी नहीं देखी जाएगी जब लाइसेंस मिलने के बाद धार्मिक स्थल अस्तित्व में आया हो। पॉलिसी में यह छूट दी गई है कि पोर्क (सूअर का मांस) को छोड़कर अन्य मंजूर मांस की दुकानों को मस्जिद के पास खोला जा सकता है, यदि मस्जिद कमिटी या इमाम आवदेक को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) दे। आम आदमी पार्टी शासित एमसीडी का यह नया नियम डिपार्टमेंट ऑफ वेटनरी सर्विसेज की ओर से नोटिफिकेशन जारी होने के बाद लागू होगा। नीति के मुताबिक, मीट शॉप के लिए नए लाइसेंस या रीन्यूवल के लिए 18000 रुपए फीस देनी होगी, जबि प्रोसेसिंग यूनिट के लिए 1.5 लाख रुपए देने होंगे। नई नीति में यह भी कहा गया है कि फीस और पेनल्टी में हर तीन वित्त वर्ष के बाद 15 फीसदी की वृद्धि की जाएगी। दिल्ली मास्टर प्लान 2021 के मुताबिक रिहायशी इलाकों में मांस की दुकानों का न्यूनतम आकार 20 स्क्वायर मीटर हो सकता है। व्यावसायिक इलाकों में दुकानों के आकार पर कोई प्रतिबंध नहीं है। मीट प्रोसेसिंग प्लांट के लिए न्यूनतम आकार 150 स्क्वायर मीटर है। दिल्ली मीट मर्चेंट असोसिएशन ने पॉलिसी का विरोध करते हुए कहा है किक इससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा। असोसिएशन के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, एक अवैध दुकान मालिक जिसके लिए 2700 भी देना मुश्किल है, क्यों रिन्यूअल के लिए 7 हजार रुपए देगा।

सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण रोकने के उपायों पर दिल्ली सहित पांच राज्यों से मांगा हलफनामा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण पर चिंता जताते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों पर इसका गंभीर प्रभाव होगा। कोर्ट ने दिल्ली सहित एनसीआर के पांचों राज्यों से वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए उठाए गए कदमों पर हलफनामा मांगा है। कोर्ट ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को निर्देश दिया है कि वे एक सप्ताह में हलफनामा दाखिल कर बताएं कि उन्होंने वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए क्या कदम उठाए हैं। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण में कारणों में पराली जलाना एक मुख्य मुद्दा है। कोर्ट ने मामले को सात नवंबर को फिर सुनवाई पर लगाने का निर्देश देते हुए कहा कि वह निगरानी करेंगे कि क्या हो रहा है अन्यथा पूरा

सीजन इसी तरह बना रहेगा। कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग दिल्ली एनसीआर रीजन (सीएक्यूएम) की रिपोर्ट देखने के बाद उसे भी चार्ट के रूप में और समग्र रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। ये निर्देश न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने मंगलवार को दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर सुनवाई के दौरान दिये। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग दिल्ली एनसीआर रीजन ने सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट दाखिल कर वायु गुणवत्ता बनाए रखने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी थी लेकिन कोर्ट ने रिपोर्ट देखने के बाद कहा कि रिपोर्ट को श्रेणीवार, समग्र और चार्ट के रूप में दाखिल किया जाना चाहिए। कोर्ट ने आयोग की ओर से पेश वकील से कहा कि पराली जलने के मामले में क्या हुआ और उसका क्या प्रभाव है। जमीन पर क्या हो रहा है, लगता है कि ये कदम सिर्फ कागजों पर हैं। कोर्ट ने कहा कि उपाय किये जाने के बावजूद वायु प्रदूषण बना हुआ है। पीठ ने कहा कि कुछ समय पहले दिल्ली में यह सबसे अच्छा समय था और अब शहर की वायु गुणवत्ता खराब हो रही है। घर से बाहर निकलना मुश्किल है। पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग दिल्ली एनसीआर रीजन से कहा कि वह समस्या शुरू होने की प्रासांगिक अवधि और वायु गुणवत्ता सूचकांक तथा खेतों में पराली जलाने की घटनाओं की संख्या जैसे मापदंड़ों सहित जमीनी स्थिति बताते हुए सारी चीजें चार्ट के रूप में पेश करे। पराली जलना एक मुख्य कारण

बांग्लादेश की अदालत ने 23 लोगों के हत्यारे 7 आतंकियों की मौत की सजा उम्रकैद में बदली

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के उच्च न्यायालय ने सोमवार को सात इस्लामी आतंकवादियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया। इन आतंकवादियों को ढाका के एक लोकप्रिय कैफे पर 2016 में हुए देश के सबसे भयानक आतंकी हमले में उनकी भूमिका के लिए दोषी ठहराया गया था। इस हमले में एक भारतीय लड़की सहित 23 लोग मारे गए थे। भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने एक जुलाई 2016 को ढाका के पॉश राजनयिक क्षेत्र में स्थित 'होली आर्टिसन बेकरी रेस्तरां पर हमला किया था और वहां खाना खा रहे लोगों को बंधक बना लिया था। बाद में उन्होंने तीन बांग्लादेशियों, सात जापानी, नौ इतालवी और एक भारतीय नागरिक की हत्या कर दी थी। कमांडो द्वारा चलाए गए बचाव अभियान के दौरान हमलावर मारे गए थे। 12 घंटे तक चले घटनाक्रम के दौरान दो पुलिस अधिकारियों और कैफे के एक खानसामां की भी मौत हो गई थी। हमले के बाद सुरक्षाबलों की छापेमारी में आठ संदिग्ध मारे गए थे। ढाका स्थित आतंकवाद रोधी विशेष न्यायाधिकरण ने 27 नवंबर, 2019 को हमले में संलिप्तता को लेकर 'नियो जमातुल मुजाहिदीन बांग्लादेश के सात आतंकवादियों को दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई थी। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, सोमवार को उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शाहिदुल करीम और न्यायमूर्ति मोहम्मद मुस्तफिजुर रहमान की दो सदस्यीय पीठ ने सात आतंकवादियों की मौत की सजा को जीवन-पर्यंत कारावास की सजा में बदल दिया। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ने हमले की जिम्मेदारी ली थी, लेकिन सरकार ने इसे खारिज करते हुए इसमें घरेलू आतंकवादियों का हाथ बताया था।

बीएनपी की राष्ट्रव्यापी नाकाबंदी के पहले दिन चार की मौत, 500 से ज्यादा गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। विपक्ष की राष्ट्रव्यापी 72 घंटे की रेल, सड़क और जलमार्ग नाकाबंदी के पहले दिन मंगलवार को पूरे बांग्लादेश में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 500 से अधिक बीएनपी-जमात के लोगों को गिरफ्तार किया गया। देशभर के 14 जिलों में 26 हिंसक झड़पों की खबरें आईं, इस दौरान 24 से ज्यादा सार्वजनिक बसों में आग लगा दी गई, जबकि 18 बसों में तोड़फोड़ की गई।

28 अक्टूबर को ढाका में सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के बाद बीएनपी के एक वरिष्ठ नेता और उनकी पार्टी के दर्जनों सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद जो राजनीतिक अशांति पैदा हुई, वह अब पांच दिनों तक फैल गई है, जिससे मौतें, खून और तबाही मची हुई है। कोई समाधान नजर नहीं आ रहा है। ढाका में सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश के एक वरिष्ठ विपक्षी नेता और उनकी पार्टी के दर्जनों सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सत्तारूढ़ अवामी लीग ने मुख्य विपक्षी बीएनपी पर सख्ती बरतने का वादा किया और पार्टी के दो शीर्ष नेताओं सहित 500 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जैसे-जैसे अगले चुनाव कार्यक्रम का समय तेजी से नजदीक आ रहा है, मौजूदा स्थिति 2014 के चुनावों से पहले की उस अवधि से भयावह समानता रखती है, जिसमें विपक्ष के बहिष्कार के बीच हिंसक झड़पें हुई थीं।

अब तक, सत्तारूढ़ अवामी लीग स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि विपक्षी बीएनपी सरकार को चुनाव के समय सरकार के पक्ष में इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने के लिए प्रशासन को पंगु बनाना चाहती है। दोनों पार्टियों के आमने-सामने होने से राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से पहले स्थिति और खराब हो सकती है।

चुनाव आयोग 4 नवंबर को सभी 44 पंजीकृत राजनीतिक दलों के साथ बातचीत करेगा। उम्मीद है कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा सामान्य परंपरा के अनुरूप नवंबर के मध्य में की जाएगी। संविधान के अनुसार, संसदीय चुनाव वर्तमान संसद के पांच साल के कार्यकाल की समाप्ति से 90 दिनों के भीतर होने चाहिए जो 29 जनवरी को समाप्त हो रहा है। 90 दिनों की गिनती 1 नवंबर से शुरू हो गई है।

पुर्तगाल में जयशंकर ने प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा से समकालीन चुनौतियों पर की चर्चा

लिस्बन, एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा के साथ समकालीन चुनौतियों पर चर्चा की और भारत-पुर्तगाल संबंधों को मजबूत करने के लिए उनके मार्गदर्शन की सराहना की। दो प्रमुख यूरोपीय देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से पुर्तगाल तथा इटली की अपनी चार दिवसीय यात्रा के पहले चरण में पुर्तगाल पहुंचे जयशंकर ने भारत-यूरोपीय संघ संबंधों के लिए उनके समर्थन की सराहना की। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर कहा, आज (मंगलवार) प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा से मिलकर खुशी हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं दीं। समकालीन चुनौतियों पर चर्चा की और हमारे संबंधों को मजबूत करने के लिए उनके मार्गदर्शन की सराहना की। इससे पहले, विदेश मंत्री ने यहां अपने पुर्तगाली समकक्ष जोआओ क्रेविन्हो के साथ ''सार्थक बातचीत की। इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग में प्रगति पर चर्चा की और पश्चिम एशिया, यूक्रेन, मध्य एशिया और भारत-प्रशांत को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने पुर्तगाली गणराज्य की असेंबली के अध्यक्ष ऑगस्टो सैंटोस सिल्वा से भी मुलाकात की और दो लोकतंत्रों के करीबी सहयोग के महत्व पर चर्चा की। एक अन्य पोस्ट में जयशंकर ने कहा, ''आज सुबह लिस्बन में पुर्तगाली गणराज्य की असेंबली के अध्यक्ष ऑगस्टो सैंटोस सिल्वा से मिलकर खुशी हुई। हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए उनके मजबूत समर्थन को हमेशा महत्व दिया है।

पाकिस्तान की समय सीमा समाप्त हो रही, अफगान अवैध अप्रवासियों को हिरासत का सामना करना पड़ रहा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सभी अवैध अप्रवासियों की सरकार द्वारा निर्धारित स्वैच्छिक वापसी की समय सीमा जैसे-जैसे समाप्त हो रही है। सैकड़ों-हज़ारों अफ़ग़ान नागरिक और उनके परिवार सीमावर्ती क्षेत्रों में बाढ़ ला रहे हैं और अपने अवांछित गृह देश में अनिश्चित भविष्य की तैयारी कर रहे हैं।

पाकिस्तान सरकार ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि लगभग 1.73 मिलियन अवैध आप्रवासियों (जिनमें से अधिकांश अफगान नागरिक हैं), उन्हें 1 नवंबर तक देश छोड़ देना चाहिए, अन्यथा उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा और बलपूर्वक उनके गृह देश वापस भेज दिया जाएगा।

इस फैसले की व्यापक रूप से आलोचना की गई है। जबकि, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) ने सरकार से लाखों अफगान नागरिकों के सामूहिक बलपूर्वक निर्वासन को फिर से संबोधित करने के लिए बार-बार आह्वान किया है, जो आपातकालीन स्थिति और उत्पीड़न की आशंकाओं के बीच अफगानिस्तान से भाग गए थे। अपने फैसले पर कायम है। सरकार ने कहा है कि वह समय सीमा में कोई विस्तार नहीं करेगी और बुधवार के बाद देश के सभी कोनों से अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार करना शुरू कर दिया जाएगा। इससे लाखों अफ़गानों का भाग्य ख़तरे, भय और अनिश्चितता में पड़ गया है। 12 लोगों के परिवार के मुखिया अमानुल्ला खान ने कहा, हम अफगानिस्तान वापस नहीं जाना चाहते। हम वहां से भाग आए क्योंकि हमें अपने प्रियजनों की जान खोने का डर था। जब हम वहां से गए तो यह अफगानिस्तान में एक युद्ध क्षेत्र था। वहां रहना अभी भी असंभव है। लेकिन, हमें वापस भेजने को मजबूर किया जा रहा है।

पाकिस्तान में एक अपंजीकृत अफगान शरणार्थी ताहिर खान ने कहा, अफगानिस्तान में वापस जाने के लिए हमारे पास कुछ भी नहीं बचा है। वहां रहने वाले लोग गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं। न शिक्षा, न भोजन... कुछ नहीं है। ऐसा लगता है जैसे हमें दंडित किया जा रहा है और वापस नरक में फेंक दिया जा रहा है। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने देश में अवैध अप्रवासियों की वापसी की सुविधा के लिए समय सीमा की तैयारी में देशभर में होल्डिंग केंद्रों की एक श्रृंखला स्थापित की है। अब तक, 1,00,000 से अधिक अफगान नागरिक अफगानिस्तान वापस जा चुके हैं, जबकि लगभग 400 अन्य ब्रिटेन चले गए हैं। ह्यूमन राइट्स वॉच (एचआरडब्ल्यू) ने कानूनी स्थिति के बिना अफगान शरण चाहने वालों को अफगानिस्तान लौटने के लिए मजबूर करने के लिए धमकियों, दुर्व्यवहार और हिरासत का उपयोग करने के लिए पाकिस्तानी अधिकारियों की आलोचना की है। एचआरडब्ल्यू ने कहा, निर्वासित किए जाने के जोखिम वाले कई अफगान नागरिक संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी और कनाडा में पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।